तापमान
अधिकतम 32 .5 डिग्री
न्यूनतम 15 .6 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 2 नवंबर, 2025

12 कलाकारों ने हरियाणवी संस्कृति की तस्वीर पेश की

12 सीक्रेट सुपरस्टार शो में 400 छात्रों ने दिखाया हुनर

खबर संक्षेप

बाइक की टक्कर से महिला की मौत

पानीपत। गांव पसीना वाली रोड पर बाइक की टक्कर लगने से शहनाज पत्नी हंसीबुल मूल निवासी पश्चिम बंगाला हाल निवासी गांव सिवाह क्षेत्र की मौत हो गई। हुडा औद्योगिक सेक्टर 29 थाना पुलिस ने जांच के बाद शहनाज के शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए पानीपत के सिविल अस्पताल भिजवा कर इस मामले की जांच शुरू कर दी है। इधर, थानेदार अनिल ने बताया कि शहनाज की मौत हादसे में हुई है, पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

अंबाला छावनी में दो दिन चलेगी भर्ती प्रक्रिया

अंबाला। 13 और 14 नवंबर 2025 को अंबाला छावनी के खड्गा स्पोर्ट्स स्टेडियम में अग्निवीर महिला सेना पुलिस भर्ती प्रक्रिया का दूसरा चरण (फिजिकल एवं मेडिकल) का आयोजन किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि इस भर्ती प्रक्रिया में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की वे महिला अभ्यार्थी भाग ले सकती हैं जो कि प्रथम चरण के कंप्यूटर आधारित ऑनलाइन कॉमन परीक्षा में शॉर्ट लिस्ट हुए हैं। अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड 31 अक्तूबर 2025 को जारी कर दिए गए हैं।

कार से बरामद हुई 3.750 किलो अफीम

यमुनानगर। एचएसएनसीबी यूनिट अंबाला की टीम ने गांव औरंगाबाद के पास हाइवे रेस्ट एरिया से एक कार की तलाशी के दौरान 3.750 किलो अफीम बरादम हुई है। पुलिस ने नशीले पदार्थ को कब्जे में लेकर मौके से आरोपी कार चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी गांव भंभोली निवासी प्रदीप कुमार को अदालत में पेश किया। जहां से उसे रिमांड पर लिया गया है। आरोपी पड़ोसी राज्यों से अफीम लाकर आसपास सप्लाई करता था।

सीएम सैनी करेंगे खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

अंबाला। कार्यकारी जिला खेल अधिकारी रामस्वरूप ने बताया कि खेल विभाग, हरियाणा पंचकूला द्वारा राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन 11 से 13 नवंबर तक जिला अंबाला तथा पंचकूला में करवाया जा रहा है। प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा किया जाएगा।

पेंशनर्स को देना होगा जीवन प्रमाण-पत्र

अंबाला। जिला खजाना अधिकारी सुनीता गोस्वामी ने बताया कि राज्य सरकार की हिदायतों के अनुसार जिले के खजाना और उप खजाना कार्यालय के माध्यम से पेंशन प्राप्त कर रहे पेंशनरों को जीवन प्रमाण पत्र माह नवंबर में देना होगा।

मेला परिसर में आयोजित प्रदर्शनी का किया अवलोकन

ऐतिहासिक कपालमोचन मेले का शुभारंभ पहले दिन हजारों श्रद्धालुओं ने किया स्नान

अंबाला मंडल आयुक्त संजीव वर्मा ने हवन-यज्ञ व दीप प्रज्ज्वलित करके किया मेले का शुभारंभ, पांच दिन तक जुटेंगे विभिन्न प्रदेशों के लाखों श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

उत्तर भारत के सिंधुवन में स्थित धार्मिक एवं ऐतिहासिक तीर्थ स्थल कपाल मोचन में पांच दिवसीय अंतरराज्यीय मेला 2025 का शनिवार को विधिवत शुभारम्भ हो गया। मेले का शुभारंभ अंबाला मंडल के आयुक्त संजीव वर्मा ने दीप प्रज्जवलित करके व हवन यज्ञ में आहुतियां अर्पित कर किया।

मौके पर उपायुक्त एवं कपाल मोचन श्राईन बोर्ड के मुख्य प्रशासक पार्थ गुप्ता मौजूद रहे। इस दौरान मंडल आयुक्त संजीव वर्मा ने हरियाणा की विकासात्मक गतिविधियों पर आधारित विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। जिसमें करीब विभिन्न विभागों व अन्य संस्थाओं द्वारा स्टाल लगाए गए हैं। मेला कपाल मोचन के उदघाटन अवसर पर विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

■ कपाल मोचन मेला अपने आप में अनूठा एवं बेमिसाल : संजीव वर्मा

अंबाला मंडल के आयुक्त संजीव वर्मा ने कहा कि हरियाणा वह भूमि है जहां भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन के रथ को हांका था और इसी भूमि पर श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का अमर संदेश दिया था। हरियाणा के इसी एक छोर पर व्यासपुर पड़ता है। जहां कपाल मोचन की पवित्र भूमि स्थित है। जिसे भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, गुरू नानक देव और गुरू गोबिंद सिंह जैसे देवताओं ने पवित्र किया है। कपाल मोचन मेला अपने आप में अनूठा एवं बेमिसाल है। अम्बाला मंडल के आयुक्त संजीव वर्मा ने कहा कि तीज त्यौहार व मेले भारतीय संस्कृति व जीवन का एक महत्वपूर्ण भाग है, जिनके माध्यम से भारत वर्ष के पुरातन रिति रिवाजए परम्पराएंए लोक कथाएं एवं जन श्रुतियां बड़े गहरे से जुड़ी हैं। भारत की भूमि ऋषि,मुनियों, पीर पैगम्बरों, शूरवीर योद्धाओं और गुरुओं की भूमि है। यहां की धरती को ऋषि मुनियों ने अपने तपो बल से पावन किया है। इस भूमि का एक हिस्सा जिसका नामकरण हरि के नाम पर हुआ है । उसे हरियाणा कहा जाता है और हरियाणा में व्यासपुर की धरती को महर्षि व्यास की कर्म स्थली कहा जाता है। उन्होंने विश्व प्रसिद्ध कपाल मोचन मेला के यात्रियों को अपनी ओर से शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिस कामना के लिए वे मेला कपाल मोचन में आए हैं। उनकी कामना अवश्य पूरी हो।

यमुनानगर। कपालमोचन तीर्थ स्थल मेले में हवन यज्ञ करके शुभारंभ करते हुए अंबाला मंडल के आयुक्त संजीव वर्मा।

यमुनानगर। कपालमोचन तीर्थ स्थल मेले के शुभारंभ अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करते बच्चे।

सरोवरों में स्नान करने में गहरी आस्था

अंबाला मंडल के आयुक्त संजीव वर्मा ने कहा कि कपाल मोचन मेला क्षेत्र में स्थित तीन सरोवरों कपाल मोचन सरोवर,ऋण मोचन सरोवर व सूरजकुंड सरोवर में श्रद्धालुओं की स्नान करने के प्रति गहरी आस्था है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र तीर्थराज पर श्री गुरु नानक देव व श्री गुरु गोविंद सिंह जी यहां पधारे थे। उन्होंने कपाल मोचन मेला से संबन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि गुरूपर्व एवं कार्तिक पूर्णिमा को तीनों सरोवरों में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ जाती है। इस दौरान कोई दुर्घटना न हो इसके लिए सभी प्रबंध एवं व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की ढील न बरती जाए व मेला प्रबंधो से जुड़े सभी अधिकारी पूरी तरह सतर्क रहे ताकि श्रृद्धालु एवं यात्री खुशी खुशी स्नान करके यहां से विदा हों।

खाना बनाने के लिए एलपीजी गैस की सुविधा

उपायुक्त एवं मेला कपाल मोचन के मुख्य प्रशासक पार्थ गुप्ता ने कहा कि 1 नवंबर से 5 नवंबर तक मेला में लाखों की संख्या में यात्री पहुंचकर पवित्र सरोवरों में स्नान करेंगे। उन्होंने कहा कि पूरे मेला क्षेत्र में अस्थाई शौचालयों की संख्या 500 कर दी गई है। इसके अलावा लगभग 200 स्थाई शौचालय बनाए गए हैं। इसलिए कोई भी यात्री खुले में शौच न करें। उन्होंने कहा कि यात्रियों को खाना बनाने के लिए एलपीजी गैस उपलब्ध करवाई जाएगी। सभी यात्री अपने सामान का ध्यान रखें। यात्रियों की सुरक्षा के लिए उचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र में यात्रियों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए स्वास्थ्य पोस्टें बनाई गई हैं। जिनके माध्यम से यात्रियों को निःशुल्क दवाईयां प्रदान की जाएंगी। उन्होंने बताया कि सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा सूचना प्रसारण केन्द्र स्थापित किया गया है जो 24 घंटे सूचनाएं प्रसारित करेगा। मौके पर मेला प्रशासन ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मौके पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया।

महिला को रेप-हत्या की धमकी दे गहने ले गए

पानीपत। हुडा औद्योगिक सेक्टर-29 थाना के तहत आने वाले न्यू विकास नगर में शुक्रवार की रात दुर्गावती के घर में चार नकाबपोश चोर घुसे और उन्होंने गहने व नगदी की चोरी के लिए अलमारी का ताला तोड़ा। दुर्गावती ने बताया कि घर में तोडफोड की आवास सुन कर वे व उनके ही साथ सो रही पडोसी महिला रीता देवी जाग गई। वहीं, दोनों ने शोर मचाने का प्रयास किया तो चोरों ने उन्हें चाकू दिखा कर हत्या व दुष्कर्म करने की धमकी दी। चोर घर से सोनी व चांदी से बने जेवर एक मंगलसूत्र, तीन अंगूठी, एक जोड़ी बाली, एक चेन, पाजेब, हाथ के कड़े और करीब 30 हजार रुपए नकद लेकर फरार हो गए।

नवविवाहिता से दुष्कर्म के दोषी तांत्रिक को जेल भेजा

■ झाड़-फूंक करने के बहाने से तांत्रिक ने की वारदात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुलाना

झाड़फूंक कराने आई नवविवाहिता से दुष्कर्म करने के आरोप में पकड़े गए तांत्रिक रोहताश को अदालत ने जेल भेज दिया है।

गांव की पीड़िता ने शिकायत दी थी कि एमएम यूनिवर्सिटी रोड पर यमुनानगर के हिरणछप्पर गांव के रोहताश ने एक घर किराये पर ले रखा है। यहां पर वह मंगलवार को चौकी लगाकर झाड़फूंक करता है। बीते मंगलवार को वह अपने पति और सास के साथ तांत्रिक के पास गई थी। तांत्रिक के साथियों ने उसके पति को कमरे के बाहर ही रोक लिया और अकेले विवाहिता को कमरे में झाड़फूंक कराने के लिए भेज दिया। तांत्रिक ने मौके का फायदा उठाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद नवविवाहिता ने अपने पति को इस बारे में बताया तो वह उसे लेकर थाने पहुंचे। पुलिस ने नवविवाहिता की सीएचसी मुलाना में डॉक्टरी जांच करवाई और आरोपी रोहताश को काबू किया गया।

ठेका पर गोली चलाने का आरोपी गिरफ्तार

लाडवा। कुरुक्षेत्र पुलिस की टीम ने लाडवा शराब ठेका पर गोली चलाने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। अपराध अन्वेषण शाखा-1 की टीम ने लाडवा शराब ठेका पर गोली चलाने के आरोपी अमन वासी जैनपुर जाटान जिला कुरुक्षेत्र को माननीय अदालत से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर मामले में गिरफ्तार किया है।

14 सितंबर की रात्रि को लाडवा के बस स्टैंड के सामने ठेका पर गोली चलाने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस ने जिलाभर मे नाकेबन्दी करके जांच की गई थी। 19 सितम्बर पुलिस टीम को गांव सोंटी में एक नर्सरी के पास एक नौजवान लड़का बिना नंबर की मोटरसाइकिल खड़ा दिखाई दिया। पुलिस टीम ने जब आरोपी को रुकने बारे कहा तो आरोपी ने पुलिस टीम पर दो रौंन्द फायर किए। पुलिस टीम ने अपना बचाव करते जवाबी फायर किया जो गोली आरोपी की टांग में लगी थी। घायल आरोपी को एलएनजेपी हस्पताल कुरूक्षेत्र में दाखिल करवाया गया था। आरोपी की पहचान अमन वासी जैनपुर जाटान के रुप में हुई थी।

पहली बार अंबाला छावनी में होगा उत्तर क्षेत्रीय युवा महोत्सव

अंबाला। संस्कृत भाषा, साहित्य, संस्कृति और खेलों के संगम का प्रतीक बनकर उत्तर क्षेत्रीय युवा महोत्सव 2025 पहली बार अंबाला छावनी में आयोजित होने जा रहा है। यह तीन दिवसीय आयोजन केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के देखरेख में श्री दीवान कृष्णकिशोर सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय में 3 से 5 नवंबर 2025 तक होगा। इस महोत्सव का उद्देश्य उत्तर भारत के संस्कृत विद्यार्थियों की प्रतिभा को एक साझा मंच प्रदान करना है, ताकि वे परंपरा और आधुनिकता दोनों के संगम से संस्कृत के नवजागरण में अपनी भूमिका निभा सकें। आयोजन में हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और जम्मू-कश्मीर से लगभग 500 छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. विष्णु दत्त शर्मा ने बताया कि युवा महोत्सव का उद्घाटन 3 नवंबर की सुबह 10:30 बजे सनातन धर्म सभागार में किया जाएगा। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. मदन मोहन झा, चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के पूर्व कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा और दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. रंजन त्रिपाठी उपस्थित रहेंगे।

प्रत्येक अतिथि का साक्षात्कार

मीडिया संस्थान के छात्रों के लिए कार्यशाला बना रत्नावली महोत्सव

कुरुक्षेत्र। राज्य स्तरीय रत्नावली समारोह इस बार जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के छात्रों के लिए एक कार्यशाला के रूप में अच्छा मंच साबित हुआ। संस्थान की मीडिया चौपाल व हरियाणवी न्यूज लैटर रत्नावली समारोह में सबसे अधिक आकर्षण का केन्द्र रहे। समारोह में आने वाले प्रत्येक अतिथि का मीडिया चौपाल में साक्षात्कार लिया गया और सभी ने खुले मन से अपने मन के विचार हरियाणवी में सांझा किए। इसके साथ-साथ सबने हरियाणवी में छपे न्यूज लैटर को खूब पढ़ा। संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया द्वारा पहली बार रत्नावली समारोह में शुरू की गई मीडिया चौपाल व हरियाणवी न्यूज लैटर की सबने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। मीडिया चौपाल का संचालन प्रो. महासिंह पूनिया ने किया जबकि उनका सहयोग डॉ. आबिद अली, डॉ. सतीश राणा, तकनीकी सहायक नरेश कुमार ने दिया। जबकि हरियाणवी न्यूज लैटर जो सबके आकर्षण का केन्द्र बना हुआ था। समारोह में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति ने हरियाणवी न्यूज लैटर को पढ़ा। न्यूज लैटर को तैयार कराने का कार्य प्रो. महासिंह पूनिया, डॉ. अभिनव कटारिया, डॉ. आबिद अली, डॉ. प्रदीप कुमार राय, डॉ. तपेश किरण, राहुल अरोड़ा, अमित जांगड़ा ने अपना योगदान दिया। संस्थान के शिक्षक डॉ. तपेश किरण, रोमा, ऋतु, मोनिका, राकेश ने हस्तशिल्प मेले में छात्रों के सहयोग से स्टाल लगाए।

■ हरियाणवी न्यूज लैटर आकर्षण का केन्द्र रहे

राज्यपाल आशिम घोष ने सतगुरु मां व राजपिता से आशीर्वाद लिया

श्रद्धालुओं में प्रेमपूर्ण मिलन से आत्ममंथन का भाव गूंजा

■ निरंकारी संत समागम में मां सुदीक्षा ने कहा, ब्रह्मबोध से ही आत्मबोध संभव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ समालखा

हमें अपने वास्तविक स्वरूप की पहचान करने के लिए परम अस्तित्व परमात्मा को जानना जरूरी है क्योंकि ब्रह्मबोध से ही आत्मबोध सम्भव है। यह उद्गार मां सुदीक्षा ने निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर आयोजित चार दिवसीय निरंकारी संत समागम में देश व विदेश से आए हुए लाखों के श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। वहीं, कार्यक्रम में देश व विदेश से आए, श्रद्धालुओं में प्रेमपूर्ण मिलन से आत्ममंथन का भाव गूंज उठा।

इधर, मां सुदीक्षा ने कहा कि संसार में विभिन्न धर्म हैं और हर किसी की अपनी अपनी आस्था है, पर हर कोई एक ही सत्य की बात कर रहा है। वास्तव में यह एक निराकार परमात्मा ही है जो सदैव रहने वाला सत्य है। यही सबका मूल स्रोत है। जब हम इस स्रोत के साथ जुड़कर एकत्व के भाव में समाहित हो जाते हैं तो फिर कोई विपरीत भाव मन में उत्पन्न नहीं होता। उन्होंने कहा कि समागम का मुख्य विषय 'आत्ममंथन' भी इसी ओर अग्रसर करता है कि इस एक सत्य का आधार लेकर आत्ममंथन करते हुए हम अपने भीतर की यात्रा तय करते चले जाना है। वहीं, भौतिक उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए मां सुदीक्षा ने कहा कि जिन सांसारिक उपलब्धियों के लिए मनुष्य अपना अमूल्य समय व्यतीत कर रहा है वह समाजिक उपलब्धियां, पारिवारिक रिश्ते यहां तक कि मन के विचार आदि सब अस्थाई हैं और वे भी समय के साथ बदलने और अंत में समाप्त होने वाले हैं।

मां सुदीक्षा ने स्पष्ट करते हुए बताया कि स्थायी केवल परमात्मा है। यह परमात्मा जितना बाहर है उतना भीतर भी है। जब इस स्थायी परमात्मा की उपलब्धि होगी तभी मनुष्य जीवन का परम उद्देश्य पूर्ण होगा। मां सुदीक्षा ने उदाहरण देकर समझाया कि जिस तरह हम कमरे के अंधेरे को दूर करने के लिए स्विच ऑन करते हैं और उजाले का इंतजार नहीं करना पड़ता उसी प्रकार से अज्ञानता के अंधेरे में जी रहे मनुष्य के जीवन में जब ब्रह्मज्ञान प्रवेश करता है तो ज्ञानरूपी प्रकाश से तुरंत आलोकित हो जाता है। मां सुदीक्षा ने समझाया कि आत्ममंथन अथवा भीतर की यात्रा मनोवैज्ञानिक नहीं बल्कि आध्यात्मिक विषय है। हर समय निरंकार परमात्मा का अहसास रखते हुए अपनी गलतियों को स्वीकार एवं उनका सुधार करना होगा। जिससे समर्पण, विनम्रता जैसे दिव्य मानवीय गुण जीवन में सहज ही उतरते चले जाएंगे।

समालखा। निरंकारी संत समागम में देश व विदेश से आए श्रद्धालु सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करते हुए।

सत्संग में शिरकत की

हरियाणा के राज्यपाल आशिम घोष ने अपनी अर्धांगिनी के साथ समागम में पधारकर सतगुरु माता व निरंकारी राजपिता के आशीर्वाद लेते हुए अपने संबोधन में संत निरंकारी मिशन की दिव्य विचारधारा एवं मानवता के प्रति निष्काम सेवाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर राज्यपाल घोष ने मंच के करीब उपस्थित सेवादल के सदस्यों से वार्तालाप किया और निरंकारी सेवादल की मर्यादा और अनुशासन की सराहना की। वहीं, समागम के दूसरे दिन का शुभारंभ सेवादल रैली से हुआ। इस आकर्षक रैली में पूरे भारतवर्ष एवं दूर देशों से आए हुए सेवा दल के श्रद्धालुओं ने हजारों की संख्या में भाग लिया। इस रैली में जहां शारीरिक व्यायाम, खेलों एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति द्वारा निःस्वार्थ सेवा भाव अभिव्यक्त किया गया वहां मिशन की शिक्षाओं पर आधारित लघु नाटिकायें भी प्रस्तुत की गई।

विदेश भेजने के नाम पर दो युवकों से ठगे 12 लाख

■ दोनों मामलों में 10 लोगों के खिलाफ किया धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

विदेश भेजने के नाम पर दो युवकों से 12 लाख रुपये हड़प लिए गए। पुलिस ने दोनों मामलों की जांच के बाद 10 आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

गांव अलीशेरपुर माजरा के राजेंद्र कुमार ने व्यासपुर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह 24 जुलाई 2024 में विदेश जाने के लिए चंडीगढ़ के सेक्टर आठ सी में एससीओ 126-127 में बने दफ्तर में गया। यहां उसे रोहित, गुनगुन, सुरेंद्र, स्नेहा और इशप्रीत मिले। आरोपियों ने उसे बताया कि वह काफी युवाओं को विदेश भेज चुके हैं। उसने आरोपियों पर विश्वास कर लिया। इसके बाद आरोपियों ने उसे विदेश भेजने का आश्वासन दिया। आरोपियों ने उससे विदेश भेजने के नाम पर आठ लाख 80 हजार रुपये व दस्तावेज ले लिए।

इसके बाद आरोपियों ने उसे विदेश नहीं भेजा। जब उसने आरोपियों से बात की तो उन्होंने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

महिला से हड़पे सवा तीन लाख रुपये

यमुना गली निवासी शहर की यमुना गली निवासी हेमलता ने बताया कि उसका बेटा रुशल 12वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी के लिए विदेश जाना चाहता था। इस दौरान उसे पता चला कि हेमराज, रिया शर्मा, जसप्रीत सिंह, अंकिता व सौरभ युवाओं को विदेश भेजने का काम करते हैं। वह आरोपियों से उनके कार्यालय में मिली। आरोपियों ने उसके लड़के रूशल को विदेश भेजने के नाम पर सवा तीन लाख रुपये व दस्तावेज ले लिए। मगर काफी दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों ने उसके लड़के को विदेश नहीं भेजा।

खबर संक्षेप

25 को होगा प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि श्रीगुरु तेग बहादुर जी बलिदान, शांति और मानवता के प्रतीक हैं। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि जिला में अब 25 नवंबर तक गुरु साहिब जी के आदर्शों से प्रेरित विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसकी शुरूआत जिला प्रशासन ने रक्तदान शिविरों का आयोजन करके की है। उन्होंने कहा कि 8 नवंबर को सिरसा के रोडी, 11 नवंबर को पंचकूला के गांव मढ़ावाला, 14 नवंबर को फरीदाबाद से और 18 नवंबर को यमुनानगर के सढ़ोरा से शहीदी यात्रा निकाली जाएंगी।

सीजेएम ने किया साक्षी बाल कुंज आश्रम का निरीक्षण

लाडवा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा साक्षी बाल कुंज आश्रम लाडवा का निरीक्षण किया। सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने बाल आश्रम के बच्चों के कमरों का निरीक्षण किया और आश्रम में बच्चों को दिए जाने वाले भोजन का जायजा लिया। वहीं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने बाबा बंसी वाला वृद्ध आश्रम लाडवा का भी निरीक्षण किया।

विद्या भारती संगीत केन्द्र का पुनः शुभारंभ

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान में विद्या भारती संगीत केन्द्र का पुनः शुभारंभ आज किया गया। संस्थान की अध्यक्षा डॉ. ममता सचदेवा ने विधिवत रूप से संगीत केन्द्र का शुभारंभ करते हुए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर संस्थान के सहसचिव डॉ. पंकज शर्मा, कोषाध्यक्ष वीरेन्द्र वालिया, उत्तर क्षेत्र प्रमुख अनिल कुलश्रेष्ठ, श्रीसोमदत्त भी साथ थे। संस्थान के प्रबंधक सुधीर कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्या भारती संगीत केन्द्र प्रयाग संगीत समिति से मान्यता प्राप्त है।

आज होगा भव्य भंडारा एवं संकीर्तन

कुरुक्षेत्र। ढांड रोड मिजार्पुर एसवाईएल किनारे स्थित खाटू श्याम मंदिर एवं धाम में रविवार 2 नवंबर को भव्य श्याम संकीर्तन एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंदिर अध्यक्ष एवं हरियाणा ब्राह्मण समाज प्रदेशाध्यक्ष पवन शर्मा पहलवान ने बताया कि बाबा श्याम की महिमा अपरंपार है, बाबा कि कृपादृष्टि से भक्तों के दुख क्लेश, कर्ज और रोग कट जाते हैं, पहलवान ने बताया कि यहां स्थित श्याम की प्रतिमा स्वतः प्रकट है जो उन्हें उनके प्रतिष्ठान में खुदाई के दौरान मिली थी। पहलवान ने बताया कि वे परिवार के साथ खाटू श्याम धाम पंहुचे और बाबा ने उन पर कृपा की।

किसान समस्याओं को इनेलो का प्रदर्शन 3 को

- सभी जिलों में डीसी कार्यालयों पर हो धरना-प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

इनेलो ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर 3 नवंबर को प्रदेशभर में जिला स्तर पर धरना-प्रदर्शन करने का एलान किया है। पार्टी ने सभी जिलों में डीसी कार्यालयों के बाहर धरना देकर सरकार के नाम ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया है। करनाल जिले में इस आंदोलन की जिम्मेदारी इनेलो किसान सेल के प्रदेशाध्यक्ष फूल सिंह मंजूरा को सौंपी गई है। मंजूरा ने कहा कि सोमवार को करनाल में सुबह 11 बजे सेक्टर-12 स्थित पेट्रोल पंप के नजदीक कार्यकर्ता एकत्रित होंगे और वहां से जिला सचिवालय तक मार्च निकालेंगे। अभय चौटाला के नेतृत्व में इनेलो का हर कार्यकर्ता किसानों के साथ अन्याय नहीं होने देगा," मंजूरा ने कहा। उन्होंने सरकार से किसानों की फसल खरीद, मुआवजा, और मंडियों में पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर ठोस कदम उठाने की मांग की।

जिन्होंने हरियाणा बनाया उन्हें लोग भूल चुके

- करनाल से चौधरी मुल्तान सिंह पहली विधानसभा में डिप्टी स्पीकर; पानीपत से फतेह चंद पहले विधायक रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

हरियाणा 59 साल का हो गया है। 59 साल पहले 1 नवम्बर 1966 पंजाब से अलग होकर हरियाणा अस्तित्व में आया था। उस समय प्रदेश में कुल 54 विधानसभा हलके थे, जिनमें से 10 हलके आरक्षित थे। आज अतीत की झरोखे से देखें तो पता चलता है कि हरियाणा की पहली विधानसभा में करनाल जिले के प्रतिनिधि चौधरी मुल्तान सिंह कल्याण का बहुत बड़ा योगदान रहा है। वे संयुक्त पंजाब की विधानसभा (1962-1967) में करनाल से रहे और हरियाणा की पहली विधानसभा में वे डिप्टी स्पीकर नियुक्त हुए।

करनाल। हरियाणा स्थापना दिवस कार्यक्रम व संबंधित दिग्गज। *फोटो : हरिभूमि*

विधानसभा चुनाव 1967 में पहली बार हुए

बताया कि संयुक्त पंजाब से अलग होने के बाद हरियाणा में पहली बार विधानसभा चुनाव 1967 में हुए। उस समय घरौंडा से विधायक के रूप में मुल्तान सिंह कल्याण निर्वाचित हुए और उन्हें मंत्री बनाया गया। हरियाणा की पहली विधानसभा में जिन नामों ने हिस्सेदारी निभाई — उनमें चांद राम, रणबीर सिंह हुड्डा, देवी लाल, चौधरी दलबीर सिंह, पंडित चिरंजी लाल, डॉ. मंगलसैन, फतेह चंद विज, खुर्शीद अहमद, राव निहाल सिंह, आसेप्रभा जैन, रिजक राम, तैयब हुसैन, चंद्रावती आदि शामिल थे। हरियाणा के पहले मुख्यमंत्री पंडित भगवत दयाल शर्मा बने, जो मार्च 1967 तक अपने पद पर रहे। रिकॉर्ड बताते हैं कि उसके बाद ब्राह्मण समाज से कोई मुख्यमंत्री नहीं बना; पंडित भगवत दयाल शर्मा बाद में मध्यप्रदेश के राज्यपाल भी रहे। संयुक्त पंजाब से हरियाणा अलग करने में बाबू मूलचंद, देवी लाल, चौ. मुल्तान सिंह, चिरंजी लाल शर्मा, डॉ. मंगलसैन और चौ. दलबीर सिंह की अहम भूमिका रही। आज 59 साल गुजरने के बाद भी जिन लोगों ने यह धरातल बनाया। उनकी याद में कमी है, लोग उन्हें भूलते जा रहे हैं यह बात करनाल व हरियाणा के लोगों के लिए पीड़ा का विषय बनी हुई है। हरियाणा की पहले पीढ़ी के सांसद, विधायक और जननेताओं के योगदान को समय के साथ भुलाया जा रहा है, जबकि उन्हीं के कारण यह प्रदेश अस्तित्व में आया।

राजनितिक संरक्षण में धान घोटाले की जांच निंदनीय : रतनमान

किसान पंचायत में हजारों करोड़ के धान घोटाले का लगाया आरोप, जांच की मांग

- *हजारों करोड़ हजम करने के तलाशे जा रहे हैं रास्ते*
- *तुरंत हो आरोपियों की गिरफ्तारी अन्यथा सडकों पर उतरेगी भाकियू*

शासन और प्रशासन पर पर मिली भगत का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में हजारों करोड़ रूपये का धान घोटाला करने वाले सारे सम्बंधित अधिकारी भाजपा नेताओं के चहेते हैं और भाजपा नेता फर्जीवाड़ा करने वाले राईस मीलों में गोपनीय तरीके से पार्टनर हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

हजारों करोड़ के धान घोटाले को लेकर दीन बंधू सर छोटूराम किसान भवन में किसान पंचायत कर सरकार को मिडिया के माध्यम से किसानों द्वारा लानत भेजी गई है। किसानों से हुई इस सरकारी आवक की राजशाही लूट की कड़े शब्दों में निंदा कर सरकार को चेताया गया कि इस भ्रष्ट तंत्र के सरगनाओं को दो दिन के अंदर गिरफ्तार नही किया गया तो स्पष्ट तौर पर माना जायेगा कि यह लूट सरकार की शह पर उनके घर भरने के लिए की गई है। किसान पंचायत की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह घुम्मन ने की और संचालन शाम सिंह मान ने किया।

भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष रतन मान ने कहा कि भाजपा सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ सत्ता में आई थी। लेकिन भाजपा राज ने पूर्व की सरकारों के भ्रष्टाचार को छोटा कर दिया है। किसानों के नाम पर आए दिन हजारों करोड़ के घोटाले किए जा रहे हैं। किसानों के नाम को ये भ्रष्ट तंत्र बदनाम कर रहा है। प्रदेश में हजारों करोड़ रूपये का धान घोटाला करने वाले सारे सम्बंधित अधिकारी भाजपा नेताओं के चहेते हैं और भाजपा नेता फर्जीवाड़ा करने वाले राईस मीलों में गोपनीय तरीके से पार्टनर हैं।

किसानों को संबोधित करते हुए भाकियू प्रदेशाध्यक्ष रतनमान

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर रामेश्वर, महिंद्र सिंह मंढान, राजेन्द्र कुमार राणा, प्रेमचन्द शाहपुर, धर्म सिंह मोहडी, सुरेन्द्र सांगवान, राज कुमार गौतना, रामफल नरवाल, दिलावर डबकोली, धर्म सिंह पाढा, पालाराम चांदसमंद, रमेश बडसत, हवा सिंह नरुखेडी, गुलजार सिंह, हवा सिंह, देवेन्द्र सांगवान, वेड पाल, गुरनाम, विनोद, आर्य प्रकाश सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

भाकिया का आरोप

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जब से भाजपा की सरकार सत्ता में आई है तब से कुछ भाजपा से जुड़े लोगों ने इस तरह के घोटालों को अंजाम देने के लिए अपने राईस मिल लगा लिए है और कुछ गुप्त तरीकों से पार्टनर बन गए है। रतनमान ने कहा कि धान, बाजरा, कपास और मूंग सहित कई फसलों की खरीद के दौरान घोटाले किये गये है। अगर सही तरीके से निष्पक्ष तौर पर जाँच की जाये तो हरियाणा सरकार को अपनी कुर्सी गंवानी पड सकती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में कथित तौर पर की जा रही जाँच में कुछ भी होने वाला नहीं है।

जांच अधिकारी खानापूर्ति करके समय बर्बाद कर रहे

प्रदेश अध्यक्ष रतन मान ने कहा कि जांच अधिकारी खानापूर्ति करके समय बर्बाद कर रहे हैं ताकि मिलर्स समय रहते इधर उधर से धान लाकर अपने बचाव का रास्ता ढूंढ सकें। जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह घुम्मन ने कहा कि सरकार छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई कर खुद को बचाने का प्रयास कर रही है, लेकिन किसान अब इस नौटंकी में नहीं आने वाले। उन्होंने कहा कि जब तक बड़े अधिकारी और नेताओं पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक किसान सडकों से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने तुरंत ठोस कदम नहीं उठाया, तो पूरे प्रदेश में भाकियू आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। पंचायत में मौजूद किसानों ने एक स्वर में कहा कि अब समय आ गया है कि सरकार किसानों की मेहनत की कमाई से हो रहे इस भ्रष्टाचार का हिसाब दे। किसानों ने घोषणा की कि वे इस घोटाले की सीबीआई जांच की मांग पर अडिग हैं और जब तक सच्चाई सामने नहीं आती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

सुशील मैहला बने अल्फा सिटी प्रोपर्टी डीलर एसोसिएशन के प्रधान

करनाल। सुशील मैहला को अल्फा सिटी प्रोपर्टी डीलर एसोसिएशन का प्रधान बनाए जाने पर बधाई देते हुए विधायक योगेंद्र राणा व भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीन लाठर। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

अल्फा सिटी प्रोपर्टी डीलर एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न हुआ, जिसमें सर्वसम्मति से सुशील मैहला को प्रधान चुना गया।

उपप्रधान गोपाल दास, महासचिव सपन कुमार, संयुक्त सचिव ऋषभ हांडा, कोषाध्यक्ष प्रमोद गुप्ता व तरूण बंसल को मीडिया को-ऑर्डिनेटर के पद पर नियुक्त किया गया है। नवनियुक्त प्रधान सुशील मैहला पिछले कई सालों से रियल इस्टेट के कारोबार को बखूबी चला रहे हैं। उन्होंने प्रधान चुने जाने पर एसोसिएशन के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों व साथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि जो जिम्मेवारी उन्हें सौंपी गई है, उसका ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। साथियों को आने वाली समस्याओं को शीघ्र निपटाने की दिशा में काम किया जाएगा।

दायित्व समारोह

विधायक ने दी बधाई

सुशील मैहला के दायित्व समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे असंध के विधायक योगेंद्र राणा व भाजपा के जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर ने उन्हें बधाई दी। इस मौके पर दि करनाल प्रोपर्टी डीलर्स एसोसिएशन के प्रधान गौरव खुराना व उपप्रधान विजय बतरा ने सुशील मैहला व उनकी नवगठित कार्यकारिणी को बधाई दी। होटल ज्वैल्स के तारा हाल में प्रधान सुशील मैहला व अन्य पदाधिकरियों के चुने जाने पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर आल इंडिया रोड़ महासभा के पूर्व प्रधान नसीब सिंह, उपप्रधान राजकुमार बलडी, पूर्व पार्षद वीर विक्रम कुमार, समाजसेवी रोहित दहिया, शैली संधू, इंद्रजीत गोल्डी, रणदीप राणा, नवीन गुप्ता, ललित बंसल, बिट्टू बंसल, शैलेंद्र कत्याल, हरीश नारंग व भरत मुंजाल ने भी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी।

श्रीराम प्रभात फेरी का पुष्पवर्षा से स्वागत

करनाल। श्री राम मंदिर, सेक्टर-8 की ओर से शनिवार सुबह निकाली गई प्रभातफेरी में भक्तिभाव और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। प्रभातफेरी के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं ने फूलों की वर्षा कर स्वागत किया। 'भोलेनाथ की जय', 'जय श्रीराम' और 'हर-हर महादेव' के गगनभेदी नारों से पूरा सेक्टर भक्तिमय माहौल में डूब गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय संस्कृति और धर्म के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना रहा। इस अवसर पर अनु खट्टर, रेनू तनेजा, वीना सेठ, सुषमा धमीजा व सुशील मदान ने मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। "हून पै गया पंजाबियों दे पल्ले ठाकुरा बल्ले बल्ले" और "मेरा दिल तो दीवाना हो गया मुरली वाले तेरा" जैसे भजन सुनकर श्रद्धालु भावुक हो उठे।

कर्नल सुनहरा सिंह को राजकीय सम्मान के साथ दी अंतिम विदाई

- हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने जताया शोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

वीरचक्र से सम्मानित कर्नल सुनहरा सिंह का शुक्रवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार शिवपुरी मॉडल टाउन करनाल में संपन्न हुआ। उनके पुत्र सुखबीर सिंह ने अंतिम क्रिया की अगुवाई की। वे पीछे एक पुत्र और तीन पुत्रियाँ छोड़ गए हैं; उनके दामाद हरियाणा राज्य चुनाव आयुक्त देवेंद्र कल्याण हैं। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने अंतिम यात्रा में भाग लेकर शोक व्यक्त किया और परिजनों को सांत्वना दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर शोक संदेश में लिखा कि कर्नल सुनहरा सिंह का जीवन समाज व राष्ट्र के लिए समर्पित रहा और उनका त्याग व साहस हम सबके लिए प्रेरणा है। कर्नल साहब ने तीन युद्धों में भाग लिया और 1971 के युद्ध में वीर चक्र से सम्मानित हुए। रिटायरमेंट के बाद उन्होंने शहीदों के बच्चों को निशुल्क शिक्षा मुहैया करवाई। अंतिम यात्रा में प्रशासनिक अधिकारी व समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कर्नल साहब ने तीन युद्धों में भाग लिया और 1971 के युद्ध में वीर चक्र से सम्मानित हुए।

सिख एकता दल ने भूमि पूजन पर जताया रोष

करनाल। हरियाणा सिख एकता दल की कोर कमेटी के सदस्य अमृत सिंह बुग्गा व जगदीप सिंह ओलख ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा यमुनानगर के लोहगढ़ में अमर शहीद बाबा बंदा सिंह बहादुर जी की स्मृति में बनाए जा रहे म्यूजियम का भूमि पूजन हिंदू धार्मिक रीति से किए जाने पर सिख संगत में गहरा रोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि सिख परंपरा में किसी भी धार्मिक या ऐतिहासिक स्थल की नींव गुरुबाणी पाठ, कीर्तन और अरदास के साथ रखी जाती है। ऐसे में बाबा बंदा सिंह बहादुर जी के नाम से बनने वाले म्यूजियम का कार्यक्रम सिख मर्यादा के अनुसार होना चाहिए था। बुग्गा और ओलख ने कहा कि "हम सनातन धर्म का सम्मान करते हैं, लेकिन सिख मर्यादा का उल्लंघन अस्वीकार्य है।

एचकेआरएन नीति से बाहर रखे कर्मचारियों ने जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

अनुबंध कर्मचारी हेल्थकेयर रोहतक एसोसिएशन के बैनर तले कर्मचारी बीते एक महीने से रोहतक पीजीआईएमएस में धरने पर बैठे हैं। संगठन के प्रतिनिधियों ने बताया कि उनकी समस्याओं को न तो सरकार सुन रही है और न ही कोई सत्ताधारी नेता मिलने आया है। एसोसिएशन के अनुसार पीजीआईएमएस रोहतक में कार्यरत 1271 कर्मचारी ऐसे हैं जिन्हें हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) से नहीं जोड़ा गया है, जबकि सितंबर 2021 में जारी नीति के तहत सभी को शामिल किया जाना चाहिए था। कैशियर अमित और सतपाल ने बताया कि "हमारी अनदेखी की जा रही है, जबकि अन्य जिलों के कर्मचारियों को एचकेआरएन पोर्टल से जोड़ा जा चुका है। कर्मचारियों ने 26 सितंबर को रोहतक से पैदल मार्च शुरू किया था और 29 सितंबर को करनाल पहुंचे थे, लेकिन पुलिस प्रशासन ने उन्हें जाट धर्मशाला में नजरबंद कर चंडीगढ़ जाने से रोक दिया। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं निकाला गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

विदेश जाने का सपना बना सजा 55 लाख गंवाकर लौटा रिद्धम

- हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने जताया शोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

विदेश जाकर बेहतर भविष्य बनाने का सपना देखने वाला कतलाहेड़ी गांव का युवक रिद्धम अब इस कदर टूट चुका है कि वह दोबारा विदेश जाने की सोच भी नहीं सकता। 22 वर्षीय रिद्धम अमेरिका पहुंचने की चाह में अपनी जमीन बेचकर 55 लाख रुपये एजेंट को दे बैठा, लेकिन उसका यह सपना जान जोखिम में डालकर एक डरावने अनुभव में बदल गया।

रिद्धम दो अक्टूबर को अमेरिका से डिपोर्ट होकर अपने घर लौटा। उसने बताया कि गांव के ही विनोद ने उसे अहर गांव निवासी प्रवीन कुमार नामक एजेंट से मिलवाया जिसने "एक नंबर में" अमेरिका भेजने का झांसा दिया। एजेंट ने इसके लिए 55 लाख रुपये मांगे, जिनकी व्यवस्था रिद्धम ने अपनी जमीन बेचकर की।

6 अगस्त 2024 को दिल्ली से फ्लाइट में सवार होने के बाद उसे बीच रास्ते में गुआना देश में उतार दिया गया। वहां से उसे डंकी रूट के जरिए पनामा के जंगलों, पहाड़ों और नदियों से पार करवाया गया। रिद्धम के साथ करीब 20 युवकों का समूह था, जो कई दिनों तक भूखा-प्यासा बिना रुके चलता रहा। आखिर 2 नवंबर 2024 को वह अमेरिका की दीवार पार करने में सफल हुआ, लेकिन सीमा पार करते ही अमेरिकी पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

पीड़ित ने पुलिस की कार्रवाई की मांग

करीब 11 महीने तक उसे जेल में रखा गया और 17 अगस्त को डिपोर्टेशन की प्रक्रिया शुरू हुई। एजेंसी की फ्लाइट दिसंबर में मिलने की संभावना थी, पर उसने खुद टिकट बुक कराई और 2 अक्टूबर को भारत लौट आया। जब रिद्धम ने एजेंट से रुपये वापस मांगे तो एजेंट ने कहा, "पांच-सात लाख रुपये ले ले, वरना जो करना है कर ले।" रिद्धम ने अब एसपी से शिकायत कर एजेंट के खिलाफ धोखाधड़ी की कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। 6 अगस्त 2024 को दिल्ली से फ्लाइट में सवार होने के बाद उसे बीच रास्ते में गुआना देश में उतार दिया गया। वहां से उसे डंकी रूट के जरिए पनामा के जंगलों, पहाड़ों और नदियों से पार करवाया गया। रिद्धम के साथ करीब 20 युवकों का समूह था, जो कई दिनों तक भूखा-प्यासा बिना रुके चलता रहा। आखिर 2 नवंबर 2024 को वह अमेरिका की दीवार पार करने में सफल हुआ, लेकिन सीमा पार करते ही अमेरिकी पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

डॉ. हरदीप ने कटी उंगलियां जीवन में भरी खुशियां

- मौलवी हामिद सिद्दीकी व खुर्शीद आलम ने डॉक्टर को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

गुरु नानक हॉस्पिटल के वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. सरदार हरदीप सिंह ने एक युवक की कट गई उंगलियाँ सफलतापूर्वक जोड़कर उसे नया जीवन दिया। दिल्ली की फैक्ट्री में काम करने वाले शरीक सिद्दीकी की मशीन दुर्घटना में उंगलियाँ कट गई थीं; कई अस्पतालों में इलाज असफल रहा या मना कर दिया गया था। डॉ. हरदीप ने ऑपरेशन कर उंगलियाँ जोड़ने में सफलता पाई और घायल युवक के चेहरे पर मुस्कान लौट आई। इस सफल शल्य-कार्य के उपरांत जमीयत उलेमा हिंद के मौलवी हामिद सिद्दीकी व पूर्व मीडिया को-ऑर्डिनेटर खुर्शीद आलम ने डॉ. हरदीप सिंह को "श्री कृष्णा कृपा" सम्मान और अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। मौलवी ने कहा डॉक्टर भगवान का रूप होते हैं यह डॉ. हरदीप ने यह सिद्ध कर दिया।

तीन दिन बाद भी फायरिंग करने वालों का सुराग नहीं

करनाल। अल्फा सिटी में यूनिसिस इंफो साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के दफ्तर पर हुई फायरिंग की घटना को तीन दिन बीत चुके हैं, लेकिन पुलिस अभी तक आरोपितों तक नहीं पहुंच पाई है। बदमाशों ने दफ्तर पर एक के बाद एक 53 फायर किए थे, जिससे क्षेत्र में दहशत फैल गई थी।

एसपी ने घटना की जांच के लिए चार विशेष टीमें गठित की हैं, जिनमें तीनों सीआईए यूनिट्स और थाना सदर की पुलिस शामिल है। इस बीच गैंगस्टर दीपक नांदल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर फायरिंग की जिम्मेदारी ली है।

पोस्ट में दीपक नांदल ने दावा किया कि उसने वर्ष 2022 में एक प्रोड्यूसर को 3.50 करोड़ रुपये दिए थे, ताकि उसके लिए एक वेब सीरीज़ बनाई जाए। उक्त प्रोड्यूसर ने वह वेब सीरीज़ सागा म्यूज़िक कंपनी को बेच दी। नांदल का आरोप है कि सागा म्यूज़िक ने "गलत कमिटमेंट" कर सीरीज़ रिलीज कर दी, लेकिन उसे पैसे नहीं दिए।

दनियालपुर में घर में घुसकर हमला, दंपति गंभीर घायल

- पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर दो दर्जन आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

दनियालपुर गांव में पुरानी रंजिश के चलते कुछ युवकों ने शुक्रवार देर शाम एक घर में घुसकर हमला बोल दिया। हमले में एक दंपत्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर करीब दो दर्जन आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस को दी शिकायत में दनियालपुर निवासी अजमेर सिंह ने बताया कि दो दिन पहले उसके बेटे अमरजीत की गांव के मिट्ठू, टिंकू और मोहर सिंह से कहासुनी हो गई थी, जिसके बाद पंचायत में समझौता हो गया। लेकिन विरोधी पक्ष के बड़े परिवार ने सुलह को स्वीकार नहीं किया और बदला लेने की योजना बना ली। शुक्रवार रात को मोहर सिंह, मिट्ठू, टिंकू, बेगो, भूपिंद्र, काला, काले का बेटा, संजीव उर्फ पेटल, कृष्ण, भजन समेत 10–15 लोग एक साथ उसके घर में घुस आए। उन्होंने घर में तोड़फोड़ की और परिवार पर हमला कर दिया। मिट्ठू और भूपिंद्र ने तेजधार हथियार से अजमेर के सिर पर वार किया, जबकि संजीव और काले के बेटे ने अजमेर की पत्नी पर ईंट से हमला किया।

परिवार के शोर मचाने पर आसपास के लोग इकट्ठे हो गए और 112 नंबर पर सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन आरोपी भाग निकले। हमले में कार के शीशे और घर का दरवाजा भी क्षतिग्रस्त हुआ। फिलहाल पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी है।हमले में एक दंपत्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर करीब दो दर्जन आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

खबर संक्षेप

पानीपत से युवती लापता, केस दर्ज

पानीपत। पानीपत की उझा रोड की शांति नगर से एक युवती संदिग्ध हालात में लापता हो गई। युवती के पिता ने शांति नगर निवासी एक युवक पर अपनी बेटी को बहला फुसला कर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने केस दर्ज कर युवती व युवक की तलाश शुरू कर दी है। इधर, थाना चांदनी बाग के कोतवाल गौरव सिंह ने बताया कि लापता हुई युवती की उसके मोबाइल फोन की लोकेशन से उसकी जानकारी जुटाई जा रही है। जल्द ही युवती को बरामद कर लिया जाएगा।

चोरी की बाइक के साथ पकड़ा

पानीपत। सीआईए श्री पुलिस टीम ने हुडा सेक्टर 12 में गुरूद्वारा के नजदीक गंदा नाला पटरी पर नाकाबंदी कर चोरी की बाइक के साथ विकास उर्फ विक्की पुत्र रामकरण निवासी गांव लल्हेड़ी जिला सोनीपत हाल निवासी कालीरामण पाना, समालखा, पानीपत को गिरफ्तार किया है। सीआईए श्री प्रभारी इंस्पेक्टर विजय ने बताया कि बाइक चोरी की उक्त वारदात बारे थाना शहर में सुधीर पुत्र बलबीर निवासी गांव मुनक जिला करनाल की शिकायत पर केस दर्ज है।

भाजपा ने हरियाणा दिवस मनाया

पानीपत। श्याम कमल भाजपा जिला कार्यालय में हरियाणा दिवस पूरी श्रद्धा, सम्मान और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट ने सभी को हरियाणा दिवस की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मेयर कोमल सैनी, आरडी कल्याण, सुभाष कुहाड़, सुमित जागलान, चांद भाटिया, पूर्व मेयर अवनीत कौर, चेतन तनेजा आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। जबकि विधायक प्रमोद विज ने कहा कि हरियाणा ने हर क्षेत्र में तरक्की कर देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में नाम कमाया है।

पानीपत में 69 वीं, राष्ट्रीय स्कूल कुश्ती खेलों का शुभारंभ

विजेता पहलवानों का अतिथियों ने स्वागत कर पुरस्कृत किया

26 राज्यों के खिलाड़ियों ने दिखाए दांव पेच, 57 किलो में यनत ने जीता गोल्ड

पानीपत। 69 वीं राष्ट्रीय स्कूल कुश्ती का उद्घाटन करते अतिथिगण। फोटो :हरिभूमि

कार्यक्रम का प्रारम्भ मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री जी के अग्रज हरपाल ढांडा द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

आर्य पीजी कॉलेज पानीपत में शनिवार को 69 वीं, राष्ट्रीय स्कूल कुश्ती अंडर 19 खेलों का उद्घाटन बहुत ही धूमधाम से हुआ। वहीं, पानीपत की धरा पर कुश्ती के राष्ट्रीय स्तरीय खेल का आयोजन पहली बार हुआ है जोकि जिले के लिए बहुत ही हर्ष और गौरव की बात है। वही, कार्यक्रम का प्रारम्भ मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री जी के अग्रज हरपाल ढांडा द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस समारोह में विशिष्ट अतिथि ओलंपियन गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा के चाचा भीम सिंह रहे। इधर, कार्यक्रम के शुभारंभ में मनमोहन सांस्कृतिककार्यक्रमों का आयोजन हुआ। जबकि जीएमएसएस मॉडल टाउन के एनसीसी कैडेट्स स्काउट एंड गाइड ने अतिथियों की अगवानी की। वहीं, प्रतियोगिता में 26 राज्यों के लड़के व लड़कियां पहलवान भाग ले रहे है। यह प्रतियोगिता पांच नवंबर तक चलेगी।

ये पहलवान जीते

लड़कों के 57 किलो भार वर्ग में हरियाणा के यनत ने स्वर्ण पदक, दिल्ली के चिराग दहिया ने रजत पदक व उत्तर प्रदेश के अंगद यादव और राजस्थान के राकेश कुमार मीणा ने कांस्य पदक जीते। जबकि 61 किलो भार वर्ग में हरियाणा के साहिल ने स्वर्ण पदक, उत्तराखंड के पवन ने रजत पदक व पंजाब के अर्शदीप सिंह और राजस्थान के ऋषि साहू ने कांस्य पदक जीते। वहीं, लड़कियों के 57 किलो भार वर्ग में हरियाणा की खुशी ने स्वर्ण पदक, राजस्थान की कविता ने रजत व महाराष्ट्र की दिलीप और पंजाब की मुस्कान ने कांस्य पदक जीते। वहीं, 59 किलो भार वर्ग में पंजाब की विशाखा ने स्वर्ण, राजस्थान की सिमरन सैन ने रजत व हरियाणा की तमन्ना और झारखंड की सिमरन बीचान मिंज ने कांस्य पदक जीते। इस अवसर पर अतिरिक्त डायरेक्टर स्पोर्ट्स वीना सिंह, हरियाणा के यूथ एंड स्पोर्ट्स ऑफिसर सत्यवीर, पानीपत के जिला शिक्षा अधिकारी राकेश बूरा, सुभाष चंद्र भारद्वाज, एईओ रविंद्र अंतिल, एईईओ कर्ण सिंह पूनिया ने इस टूर्नामेंट के आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग दिया है। इधर, विजेता पहलवानों का अतिथियों ने स्वागत कर पुरस्कृत किया।

पानीपत। आर्य कॉलेज की विजेता वॉलीबॉल टीम प्रसन्न मुद्रा में। फोटो : हरिभूमि

खिलाड़ियों का स्वागत किया

आर्य कॉलेज ने वॉलीबॉल में इंटर ज़ोनल टूर्नामेंट में सिल्वर जीता

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित वॉलीबॉल के इंटर जोनल टूर्नामेंट में आर्य पीजी कॉलेज की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया है। वहीं, कॉलेज प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता ने सभी खिलाड़ियों का महाविद्यालय प्रांगण में पहुंचने पर पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने कॉलेज के शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार को इस विशेष उपलब्धि पर बधाई दी। इधर, प्रधान सुरेन्द्र शिंगला ने कहा कि विजेता टीम को शुभकामनाएं व उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया है। जबकि प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता ने बताया कि वॉलीबॉल इंटर जोनल टूर्नामेंट में आर्य कॉलेज की टीम के सात खिलाड़ियों सचिन डागर, अंकुर, योगेश, हर्ष नागर, मंजीत राणा, अभिराज राजपूत और रजनीश का चयन विश्वविद्यालय कोचिंग कैंप के लिए किया गया है। इस अवसर पर कॉलेज के राजेंद्र देशवाल, राजा तोमर, सुनील पहल, रजनी देवी आदि उपस्थित रहे।

शिक्षा इंसान की तरक्की की सशक्त राह : डॉ. प्रभा

■ आईबी कॉलेज की मेधावी छात्रा मनजीत को सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

आईबी कॉलेज की छात्रा मनजीत ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एमए हिंदी द्वितीय सेमेस्टर में पांचवा स्थान प्राप्त किया है। प्राचार्या डॉ. शशि प्रभा मालिक ने मनजीत छात्रा को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा इंसान की तरक्की की सशक्त राह है। आपकी लगन और मेहनत ही आपके जीवन में लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करती है। सफलता प्राप्त करने का कोई मंत्र नहीं होता, केवल मेहनत करने से ही सफलता प्राप्त होती है। विभागाध्यक्ष डॉ. गुरनाम सिंह, डॉ. सुनिता ढांडा, डॉ. शर्मिला, डॉ. जोगेश, डॉ. निर्मला, डॉ. पूजा, डॉ. रेखा आदि ने मेधावी छात्रा मनजीत को शुभकामनाएं व उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

पानीपत। आईबी कॉलेज की मेधावी छात्रा मनजीत को सम्मानित करते हुए प्राचार्या डॉ. शशि प्रभा मलिक। फोटो :हरिभूमि

बाल विवाह पर सर्तक रहा प्रशासन

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

देव उठानी एकादशी पर बाल विवाह की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने जिलेभर में विशेष सतर्कता बरती है। महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस प्रशासन, शिक्षा विभाग, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और पंचायत प्रतिनिधियों की संयुक्त टीमें जिले के सभी ब्लॉकों और पंचायतों में सक्रिय रही। इधर, बाल विवाह निषेध अधिकारी रजनी गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह बच्चों के अधिकारों, शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी गहरा प्रभाव डालता है। जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और नागरिकों से अपील है कि बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई को समाप्त करने में प्रशासन का सहयोग करें।

हरियाणा दिवस धूमधाम से मनाया

■ डॉ. मनीषा वत्स ने हरियाणा प्रांत के बारे में विस्तार से जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ⏭समालखा

एलएनटी शिक्षण महाविद्यालय में हरियाणा दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। वहीं, मंच का संचालन करते हुए डॉ. मनीषा वत्स ने हरियाणा प्रांत के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जबकि डॉ. केएस ढिल्लो रिटायर्ड प्रिंसिपल और विशेष अतिथि के रूप में महाविद्यालय की प्रबंधन समिति की अध्यक्ष मीनाक्षी गुप्ता कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पित व दीप जला कर किया। जबकि महाविद्यालय के प्रिंसिपल डॉ लोकेश शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए हरियाणा प्रांत की विशेषताओं की जानकारी दी। वहीं, कॉलेज की अध्यक्ष मीनाक्षी गुप्ता ने दावा किया कि हरियाणा में हर क्षेत्र में अभूतपूर्व तरक्की की है, इसी कारण भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में हरियाणा को जाना जाता है। इधर, कार्यक्रम में प्रो. डॉ राजेश भारद्वाज, डॉ दर्शन धीमान, डॉ. सुदेश, सोनिया बंसल, डॉ. बलजीत, प्रदीप कुमार, वरुण तिवारी, सत्य नारायण, गोविंद, कमल आदि उपस्थित रहे।

हरियाणा डे पर एलएनटी कॉलेज की प्रबंधन समिति की अध्यक्ष मीनाक्षी गुप्ता अतिथियों को स्मृति चिंह भेंट करते हुए। फोटो : हरिभूमि

पानीपत में त्योहारों के सीजन के बाद से बढ़े रहा प्रदूषण

पानीपत में प्रदूषण के प्रकोप को कम करने में जुटा नगर निगम

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

■ पहली बार एंटी स्मॉग गन का प्रयोग किया, दो टैंकरों से भी पानी का छिडकाव शुरू किया, दो एंटी स्मॉग गन के लिए टेंडर जारी किया

पानीपत में दिन प्रति दिन लगातार बढ रहे प्रदूषण के प्रकोप को कम करने के लिए नगर निगम ने पानी का छिड़काव करवाने के साथ एंटी स्मॉग गन की भी शुरुआत करवाई। वहीं,नगर निगम एक्सईएन गोपाल कलावत ने बताया कि पानीपत में त्योहारों के सीजन के बाद से बढ़े प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए निगम की ओर से दो टैंकरों की सहायता से छिड़काव करवाया जा रहा है। वहीं शनिवार को एंटी स्मॉग गन की भी संजय चौक से शुरुआत की गई है, आज से पहले पानीपत में एंटी स्मॉग गन नहीं चलवाई गई थी। वहीं एंटी स्मॉग गन के चलवाने से संजय चौक के आसपास के एरिया में दुकानदारों को काफी राहत मिली। स्मरणीय है कि एंटी स्मॉग गन का प्रयोग ज्यादा प्रभावी होता है। इधर, एक्सईएन गोपाल कलावत ने बताया कि फिलहाल निगम के पास एक ही एंटी स्मॉग गन थी और शहरी-ग्रामीण क्षेत्र दोनों को कवर करने के लिए दो से तीन मशीनों की जरूरत है। वहीं, निगम ने शनिवार को दो एंटी स्मॉग गन के लिए एक करोड़ का टेंडर लगाया गया है, जो कि 17 नवंबर को खोला जाएगा। टेंडर के खुलते ही मशीनों की खरीद कर पूरे शहर को कवर किया जाएगा। ट्रैक्टर चलित दो टैंकरों की सहायता से पानीपत में जीटी रोड, असंध रोड, गोहाना रोड, सनौली रोड, जाटल रोड से पानी का छिडकाव करवाया गया।

पानीपत। प्रदूषण कम करने को एंटी स्मॉग गन से पानी का छिडकाव करते हुए नगर निगम की टीम। फोटो : हरिभूमि

बच्चों का जन्मदिन मनाया

पानीपत। जैन किड्स स्कूल में अक्टूबर माह में जन्में बच्चों का सामूहिक जन्मदिन समारोह आयोजित किया गया।बच्चों ने मिलकर केक काटा और खुशियां बांटी। इस अवसर पर प्रधानाचार्या मोनिका सहगल, स्कूल के प्रबंधक संजीव जैन ने जन्मदिन मनाने वाले सभी बच्चों को शुभकामनाएं व उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

श्री श्याम के दर्शन किए

पानीपत। बाबा श्याम सेवा समिति द्वारा प्राचीन श्री देवी मन्दिर से चुलकाना धाम के लिए बाबा श्याम के दर्शन के लिए बस रवाना की गई। मुख्य अतिथि अर्जुन सैनी ने नारियल फोड़कर बस को रवाना किया। इस अवसर पर हरियाणा पत्रकार संघ के अध्यक्ष विनोद पांचाल, मोहन लाल, धर्मेंद्र इंसा, गोबिंद सैनी, अजय ठाकुर, संस्था के वकील ललित मित्ल आदि भक्तजन उपस्थित रहे।

रोटरी व्हील समाज में सहयोग और सेवा की भावना का प्रतीक

शाहबाद। रोटरी क्लब शाहबाद मारकंडा द्वारा समाज सेवा और जनजागरूकता के प्रतीक रोटरी व्हील का दूसरा स्मारक लैंडमार्क चौक, लाडवा रोड, शाहाबाद मारकण्डा पर स्थापित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत रोटरी प्रधान रो. डॉ. आर. एस. घुम्मन ने की। रोटरी व्हील केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि सेवा, एकता और मानवता का संदेश देने वाला चिह्न है। यह एक संगठनात्मक प्रतीक है जो लोगों को समाजसेवा के कार्यों के लिए प्रेरित करता है। व्हील का घूमना निरंतर प्रगति और आगे बढ़ने की भावना को दर्शाता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. गुलशन क्वात्रा ने कहा कि रोटरी संगठन पूरे विश्व में जरूरतमंदों की मदद के लिए काम करता है। उन्होंने बताया कि रोटरी क्लब शाहाबाद मारकण्डा ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और जनकल्याण के क्षेत्र में हमेशा बढ़-चढ़कर योगदान दिया है। विशेष अतिथि और रोटरी व्हील चेयरमैन रो. रूपिंदर सिंह ठाकुर ने कहा कि रोटरी व्हील समाज में सहयोग और सेवा की भावना का जीवंत प्रतीक है।

खबर संक्षेप

विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी देखी

पानीपत। इनरव्हील क्लब पानीपत मिडटाउन की प्रदर्शनी कहानियों से संस्कार राम कृष्ण कथा संगम के समापन पर क्लब अध्यक्ष रूपाली चोपड़ा, संपादक श्वेता मिगलानी, क्लब सदस्य अंजू, स्कूल की प्रिंसिपल अनुपमा शाह और वाइस प्रिंसिपल संगीता शर्मा उपस्थित रही। वहीं, रूपाली चोपड़ा ने बताया कि प्रदर्शनी में बाल विकास स्कूल, आर्य गल्र्स स्कूल, गुरु ब्रह्मानंद स्कूल, गुरु द्रोणाचार्य स्कूल तथा बाल विकास प्रोग्रेसिव स्कूल के एक हजार से अधिक बच्चों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और रामायण व कृष्ण लीला से जुड़े प्रसंगों को बड़ी रुचि से जाना।

बार सचिव को पितृ शोक

पानीपत। पानीपत जिला बार एसोसिएशन के सचिव गांव कुराड़ निवासी एडवोकेट संदीप शांडिल्य के पिता राजबीर का शनिवार को निधन हो गया। वे 74 वर्ष के थे और बीमार चल रहे थे। राजबीर की अंतिम यात्रा में जिला बार एसोसिएशन के प्रधान सुरेंद्र दुहन, कैशियर राकेश अहलावत, संयुक्त सचिव यमन बठला, वीरेंद्र शर्मा, जिला बार के पूर्व प्रधान रजनीश त्रेहन, राजेश शर्मा, अमित कादियान, प्रदीप अहलावत, जितेंद्र कुंडू, जेपीएस राठी आदि वकीलों ने भाग लिया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की।

एकता दिवस मनाया

पानीपत। पानीपत के नूरवाला स्थित एवी पब्लिक स्कूल में सरदार वल्लभ भाई पटेल की डेढ़ सौ वीं, जयंती को एकता दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर प्रिंसिपल राजेंद्र सिंह शास्त्री मधुबाला शास्त्री, स्नेहा मदन, ममता, गीता अरोड़ा, सपना, सिमरन, निशा गोयल, अंजू, सुनीता, अनु, नंदिनी, भानुप्रिया, ज्योति, कोमल राशि आदि ने भाग लिया।

हरियाणा दिवस पर बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियां ने मेहमानों का दिल जीता, विधायक का जोरदार स्वागत किया

भारत का नंबर एक राज्य बनने की राह पर हरियाणा: विधायक प्रमोद विज

रंग-बिरंगी वेशभूषा, हरियाणवी लोकनृत्य, देशभक्ति गीतो ने सभागार को उत्सव स्थल में बदल दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

हरियाणा राज्य की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में शनिवार को जिला सचिवालय सभागार में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले भर से आए स्कूली बच्चों और विद्यार्थियों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। रंग-बिरंगी वेशभूषा, हरियाणवी लोकनृत्य, देशभक्ति गीतो ने सभागार को उत्सव स्थल में बदल दिया। हरियाणा दिवस का यह समारोह हर्षोल्लास और गर्व के साथ मनाया गया। वही, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पहुंचे पानीपत शहरी विधायक प्रमोद विज का जोरार स्वागत किया गया। वहीं, विज ने अपने संबोधन में कहा कि आज हरियाणा देश के अग्रणी राज्यों में शुमार है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा, हरियाणा बनने के बाद से यहां विकास की गंगा बह रही है। उद्योग, शिक्षा, खेल और कृषि हर क्षेत्र में हरियाणा ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2047 तक हरियाणा राज्य भी विकास के मामले में देश का नंबर वन राज्य बन जाएगा। इस अवसर पर उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र दहिया, नगर निगम आयुक्त डॉ. पंकज, पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह, मेयर कोमल सैनी, भाजपा जिलाध्यक्ष दुष्यंत भट्ट, हरपाल ढांडा आदि ने मुख्यातिथि विधायक प्रमोद विज के साथ जिला सचिवालय से कूड़ा डालने वाली साठ रिक्शाओं को रवाना किया।

पानीपत। हरियाणा दिवस समारोह में अतिथि विधायक प्रमोद विज के साथ छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

हरियाणा दिवस हर्षोल्लास से मनाया

पानीपत। हरियाणा दिवस पर आरोहण फाउंडेशन द्वारा डिटेलिंग माफिया के सहयोग से आर्य कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय वीर भवन में हरियाणा दिवस हर्षोल्लास से मनाया। वहीं, कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बाल विवाह निषेध अधिकारी रजनी गुप्ता, बिजेंद्र जागलान कंसल भट्ठा कम्पनी, इसराना, अंकिता बबल प्रोसेस मैनेजर नाफ्ता क्रैकर, बाल कल्याण समिति सदस्य किरण मलिक, संगीत अध्यापिका कुमारी गहना, नृत्य कोरियोग्राफर ऋदम, हिंदी प्राध्यापक रविंद्र सिंह, ललित कला प्राध्यापिका डॉ. शिल्पा, ललित कला प्राध्यापिका डॉ. कमलेश, कला अध्यापक संदीप राठी, आरोहण फाउंडेशन की तरफ़ से प्राचार्या डॉ शिवानी कंदौला, गहना, ऋदम, रविंद्र सिंह, उमेद सिंह, संदीप राठी, आर्य स्कूल के प्रबंधक प्रमोद आर्य, प्राचार्या रेनु रुहल, आरोहण फाउंडेशन के संस्थापक प्रदीप मलिक, महासचिव रोहित मलिक, सुरेंद्र राठी पूनम कुंडू, सुमन कुंडू, भावना जैन, महासचिव रोहित मलिक, सदस्य सुरेंद्र राठी मौजूद रहे। वहीं, विभिन्न प्रतियोगिताओं में आरिश, अध्ययन, आरिश, दिलाक्षी, अंशिका, सुहानी, कशिश, खुशी, हरगुन, कविता, वर्णिका, महक, तान्या, तमन्ना, चेतक, आलीना, शिवानी, रोशनी, सरगम, कीर्ति, राधिका, मुस्कान, रितिका, समृद्धि, गुनगुन, अदिति, दीपिका, अमृता, शिया, राधिका, यशस्व आदि विजेता रहे।

खबर संक्षेप

हेरोइन तस्करी के मामले में आरोपी काबू

अंबाला। थाना अंबाला शहर के कालका चौक के पास से नशा तस्करी के मामले में सीआईए-1 ने आरोपी घोलू उर्फ निखिल को 30 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी को पुलिस ने दो दिन के रिमांड पर लिया है। सीआईए-1 के हरजिंद्र सिंह ने बताया कि 31 अक्तूबर 2025 को पुलिस दल को सूचना मिली थी कि आरोपी मादक पदार्थों की तस्करी का कार्य करता है। पुलिस ने कालका चौक पर नाकाबंदी कर आरोपी को काबू किया था। तलाशी लेने पर उससे 30 ग्राम हेरोइन बरामद की। पहचान के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

धमकी देने के मामले में आरोपित गिरफ्तार

अंबाला। थाना नग्गल में दर्ज मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने आरोपी परमजीत सिंह को गिरफ्तार किया है। गांव तर के राजपाल ने 31 अक्तूबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 13 अक्तूबर 2025 को गांव तर चौड़मस्तपुर में आरोपी परमजीत सिंह व अन्य ने उसका रास्ता रोककर मारपीट कर चोट पहुंचाते हुए जान से मारने की धमकी दी है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

पिहोवा: प्रतियोगिताओं में अव्वल छात्र सम्मानित

पिहोवा। श्रीपंचायती अखाड़ा महानिवार्णी द्वारा भारतीय शिक्षा समिति के तत्वाधान में संचालित बाबा श्रवणनाथ स्कूल में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में समिति के सचिव भूषण गौतम ने हिस्सा लेकर बच्चों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने रियासतों के एकीकरण में जो भूमिका निभाई।

हरियाणा दिवस पर कलाकारों ने मचाया धमाल, हरियाणवी नृत्य पर जमकर बजी तालियां

पंचकूला से राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया

पलवल के कलाकारों ने ढोल नगाड़े के साथ बीन के वादन से हरियाणवी संस्कृति की तस्वीर पेश की

जिला स्तरीय कार्यक्रम में सांस्कृतिक उत्सव के तहत युवाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बेहतरीन प्रस्तुतियां दीं। इसमें हरियाणा की सांस्कृतिक झलक देखने को मिली। सभी ने तालियां बजाकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन भी किया। दर्शकों ने रंगारंग प्रस्तुतियां का आनंद लिया ।

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

हरियाणा दिवस के अवसर पर शनिवार को अंबाला शहर के पंचायत भवन के सभागार में जिला स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव भव्य तरीके से आयोजित हुआ। कार्यक्रम में उपायुक्त अजय सिंह तोमर, भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा, मेयर शैलजा सचदेवा, पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी, जिला परिषद् के चेयरमैन सरदार मक्खन सिंह लबाना, सीईओ जिला परिषद् गगनदीप, एसडीएम दर्शन कुमार, एसडीएम शिवजीत भारती, नगराधीश अभिषेक गर्ग विशेष रूप से मौजूद रहें। इस अवसर पर पंचकूला से राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया, इस कार्यक्रम में

■ राज्यपाल ने हरियाणा दिवस पर प्रदेशवासियों को संदेश दिया

माननीय राज्यपाल ने हरियाणा दिवस पर प्रदेशवासियों को अपना शुभ संदेश दिया व जिसे उपस्थित सभी ने देखा व सुना।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में सांस्कृतिक उत्सव के तहत युवाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बेहतरीन प्रस्तुतियां दी गई। इसमें हरियाणा की सांस्कृतिक झलक देखने को मिली। उपस्थित सभी ने तालियां बजाकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन भी किया। पंचायत भवन के प्रांगण में पलवल से आए कलाकारों ने ढोल नगाड़े, बीन से हरियाणवी संस्कृति से ओतप्रोत प्रस्तुतियां दी। इसके साथ-साथ हरियाणा दिवस पर शिक्षा विभाग के सौजन्य से पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी करवाया गया, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा चित्रकला से संबंधित अनूठी चित्रकला का प्रदर्शन किया। उपायुक्त के साथ-साथ अन्य गणमान्य लोगों ने यहां पर लगाई गई चित्रकला से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया गया।

कार्यक्रम में सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा तैयार की गई फिल्म को भी दिखाया गया। यहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ अन्य प्रस्तुति देने वाले प्रतिभागियों को भी सम्मानित करने का काम किया गया। जिला प्रशासन द्वारा फॉक ग्रुप गीत में अंबाला शहर के एसए जैन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा पहला स्थान, पीकेआर जैन वाटिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ने दूसरा तथा राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पुलिस लाइन के विद्यार्थियों ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

अंबाला हरियाणवी नृत्य पेश करते कलाकार व प्रस्तुतियों पर झूमते कलाकार व अन्य।

हरियाणा दिवसः नगाड़ा बजाते पूर्व विधायक

विद्यार्थियों को नकद राशि के चेक देकर प्रोत्साहित किया

इसी प्रकार फॉक ग्रुप डांस में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रामपुर सरसेहड़ी अंबाला छावनी के विद्यार्थियों ने पहला स्थान, पीएम श्री राजकीय गल्र्ज वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शहजादपुर के विद्यार्थियों ने दूसरा तथा राजकीय गल्र्ज वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बब्याल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार चित्रकला प्रतियोगिता में एसए जैन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अंबाला शहर के विद्यार्थी अनुज प्रिंस ने पहला, राजकीय गर्ल्स वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पुलिस लाइन अंला शहर के विद्यार्थी हरमन कश्यप ने दूसरा तथा राजकीय गल्र्ज वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रेम नगर अंबाला शहर के विद्यार्थी महेश कुमार ने तीसरा स्थान हासिल किया। इन सभी विद्यार्थियों को नकद राशि के चेक देकर प्रोत्साहित भी किया। कलाकार गौरव घाघरी द्वारा हरियाणवी गीत के साथ-साथ देश भक्ति गीत व अन्य गीतों की बेहतरीन प्रस्तुतियां दी। जिला सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग के कलाकार लव कुमार ने भी हरियाणवी गीतों के साथ-साथ हरियाणा किस प्रकार हर क्षेत्र में तेजी से बढ रहा है उस पर आधारित गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में आए गणमान्य लोगों को जिला प्रशासन द्वारा शॉल व स्मृति चिह्न भेंट कर उनका भी भव्य अभिनंदन किया गया। उपायुक्त ने मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेशवासियों को हरियाणा दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 1 नवंबर 1966 को हरियाणा प्रदेश का गठन हुआ था। गठन के बाद से हरियाणा ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। यहां के लोगों ने न केवल देश में बल्कि विश्व स्तर पर भी अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर नई पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के युवाओं ने खेलों में शानदार प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। ओलंपिक जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हरियाणा के खिलाड़ियों ने अपने पदक प्रदर्शन से पूरे भारत का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने आगे कहा कि कृषि क्षेत्र में भी हरियाणा का योगदान देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां के किसान गेहूं, चावल और अन्य फसलों का भरपूर उत्पादन कर भारत को अन्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रहे हैं। साथ ही, औद्योगिक और शैक्षणिक क्षेत्र में भी हरियाणा निरंतर प्रगति कर रहा है। इस मौके पर एसडीएम दर्शन कुमार, एसडीएम नारायणगढ़ शिवजीत भारती, नगराधीश अभिषेक गर्ग, जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा, डीआईपीआरओ धर्मेंद्र कुमार, एडीआईओ शुभम जोधा, डीएसपी विजय कुमार, कार्यकारी जिला खेल अधिकारी राम स्वरूप भी मौजूद रहे।

रात में काटी जा रही थी पंचायती जमीन से लकड़ी, ग्रामीणों की सूझबूझ से टली वारदात

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

साहा कस्बे के गांव मलिकपुरा में देर रात पेड़ों की अवैध कटाई और चोरी का मामला सामने आया है। ग्रामीणों की सूझबूझ और समय पर दी गई सूचना से बड़ा नुकसान टल गया। पुलिस मौके पर पहुंची और मौके से चोरों द्वारा छोड़ी गई एक स्कॉर्पियो कार को कब्जे में ले लिया। शुक्रवार देर रात गांव मलिकपुरा के

■ स्कॉर्पियो कार व लकड़ी काटने के औजार छोड़कर चोर फरार

कुछ ग्रामीणों ने खेतों की ओर से लकड़ी काटने की आवाजें सुनीं। उन्हें शक हुआ कि कोई व्यक्ति चोरी से पेड़ काट रहा है। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और स्वयं भी मौके की ओर दौड़े। जैसे ही ग्रामीण और पुलिस वहां पहुंचे, चोर मौके से भाग निकले और काटे गए पेड़ों को वहीं छोड़ गए। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से गांव के आसपास अज्ञात लोगों की आवाजाही देखी जा रही थी। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय पर पुलिस न पहुंचती, तो संभव था कि बड़ी मात्रा में लकड़ी चोरी हो जाती।

आरोपी जल्द पकड़े जाएंगे

घटनास्थल पर पहुंचे साहा थाना के पुलिस अधिकारी जसवंत सिंह ने बताया कि उन्हें रात करीब 11 बजे सूचना मिली कि कुछ लोग खेतों में पेड़ काट रहे हैं। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। स्कॉर्पियो बरामद की गई है, जिसे कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि मौके से पेड़ों के कटे हुए हिस्से, आरे और अन्य उपकरण भी मिले हैं। प्राथमिक जांच में यह सामने आया है कि चोर संगठित तरीके से इलाके में पेड़ों की चोरी करने पहुंचे थे। पुलिस ने घटनास्थल की तस्वीरें ली हैं और वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर मालिक की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि वाहन का स्वामित्व और लोकेशन डेटा जांच के बाद स्पष्ट होगा, जिससे यह पता चलेगा कि उस समय वाहन किसके कब्जे में था। जसवंत सिंह ने बताया कि "मामले में आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच के बाद आरोपी जल्द गिरफ्तार किए जाएंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव के आसपास रात के समय पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए और अवैध लकड़ी कटाई पर सख्त कार्रवाई की जाए। इस तरह की घटनाएं न केवल पर्यावरण के लिए नुकसानदेह हैं।

अंबाला छावनी में भाजपा की कोर कमेटी की मीटिंग संपन्न, शक्ति प्रमुख नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

उर्जा, परिवहन अनिल विज की अगुवाई में भारतीय जनता पार्टी अंबाला छावनी कोर कमेटी की बैठक संपन्न हुई। इसमें अंबाला छावनी के सभी वार्डों और गांवों में शक्ति प्रमुखों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता ललता प्रसाद, संजीव सोनी, आशीष अग्रवाल, मदनलाल शर्मा, बीएस बिंद्रा, बलविंद्र सिंह, विपिन्न खन्ना, राजीव गुप्ता, हर्ष बिंद्रा, विजेंद्र चौहान, रवि बुद्धिराजा, प्रवेश शर्मा, विकास बहगल, बलित नागपाल मौजूद रहे। भाजपा ग्रामीण मंडल के अधीन वार्ड नंबर 1 से सचिन धीमान व रविंद्र सिंह को शक्ति प्रमुख चुना गया। इसी प्रकार वार्ड नंबर 2 से दीपक बख्शी को चुना गया, वार्ड नंबर 3 से प्रेम कुमार को, वार्ड नंबर 4 से अमरनाथ को, वार्ड नंबर 5 से डिम्पल राणा को, वार्ड नंबर 6 से उम्मेद सिंह को, वार्ड नंबर 7 से ओमप्रकाश भट्ट को शक्ति प्रमुख चुना गया है।

वार्ड-1 से सचिन व रविंद्र को मिली शक्ति प्रमुख की कमान

इसी प्रकार ग्रामीण मंडल के अधीन गांव जनेतपुर, टुंडली, मंडोर व खतौली से उद्यम सिंह को, पंजोखरा साहिब से वीरेंद्र सिंह को, गांव गरनाला, बरनाला व धनकौर से गुरविंद्र सिंह को, ब्राह्मण माजरा से अनिल शर्मा को और गांव बाड़ा से गुरप्रीत सिंह को शक्ति प्रमुख चुना गया। भाजपा महेशनगर मंडल के अधीन वार्ड नंबर 8 में मोंटी नागरा को शक्ति प्रमुख चुना गया। इसी प्रकार वार्ड नंबर 9 से राजीव जैन व नीरज शर्मा को, वार्ड नंबर 10 से महेंद्र नागरा को, वार्ड नंबर 22 से रोहताश को, वार्ड नंबर 13 से गुरविंद्र सिंह को, वार्ड नंबर 14 से अजय महाजन को, वार्ड नंबर 15 से महेश गुप्ता व सुनील चोपड़ा को, वार्ड नंबर 16 से विनीत गुप्ता को, वार्ड नंबर 17 से टीटू बंसल व अतुल जैन को तथा वार्ड नंबर 18 से विनय भूटानी को शक्ति प्रमुख चुना गया। भाजपा शास्त्री मंडल के अधीन वार्ड नंबर 19 से सुधीर (डिम्पी) को शक्ति प्रमुख चुना गया। इसी प्रकार 20 नंबर से स्वर्ण सिंह को, वार्ड नंबर 21 से त्रिलोचन सिंह को, वार्ड नंबर 22 से जंग बहादुर को, वार्ड नंबर 23 से श्रवण कुमार को तथा वार्ड नंबर 31 से ओमप्रकाश सुखीजा को शक्ति प्रमुख चुना गया। शास्त्री मंडल के अधीन आने वाले कैंटोनमेंट बोर्ड के वार्ड नंबर 6 से राजन गोसाई, वार्ड नंबर 7 से सन्नी तुली तथा वार्ड नंबर 8 से नीलम शर्मा को शक्ति प्रमुख चुना गया। इसी प्रकार भाजपा सदर मंडल के अधीन आने वाले वार्ड नंबर 24 से विजय धीमान को शक्ति प्रमुख नियुक्त किया गया जबकि वार्ड नंबर 25 से विकास सोनकर को, वार्ड नंबर 26 से रविंद्र बग्गा को, वार्ड नंबर 27 से करण अग्रवाल को, वार्ड नंबर 28 से ओमप्रकाश धीर को, वार्ड नंबर 29 से आशीष जायसवाल को, वार्ड नंबर 30 से राजू बिंद्रा को तथा वार्ड नंबर 32 से सुभाष शर्मा को शक्ति प्रमुख नियुक्त किया गया। इसी प्रकार सदर मंडल के अधीन आने वाले कैंटोनमेंट बोर्ड के वार्ड नंबर 1 से ललित कुमार को शक्ति प्रमुख चुना गया जबकि वार्ड नंबर 2 से राज कुमार राजा को, वार्ड नंबर 3 से अजय बवेजा को, वार्ड नंबर 4 से राजू बाली को तथा वार्ड नंबर 5 से अनुज यादव को शक्ति प्रमुख नियुक्त किया गया।

भव्यता के साथ संपन्न हुआ वैरागन सिद्धि जैन भूमि का अनुमोदना तिलक महोत्सव

■ एसएस जैन स्थानक में आयोजित हुआ कार्यक्रम

मुलाना। अनुमोदना तिलक महोत्सव के दौरान मौजूद जैन साध्वियां व सिद्धि जैन।

मुलाना। एसएस जैन स्थानक की पावन भूमि पर साध्वी रत्ना सुवृद्धि एवं साध्वी सात्विक के सान्निध्य में वैरागन सिद्धि जैन भूमि का संयम अनुमोदना तिलक महोत्सव अत्यंत भव्यता एवं धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे जिन्होंने वैरागन के संयम जीवन की अनुमोदना की व पुण्य अर्जित किया। समारोह का वातावरण भक्तिभाव एवं भावविभोर कर देने वाला रहा। साध्वी प्रमुखाओं के मंगल आशीर्वचन ने सभी के हृदयों को आलोकित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण एवं नवकार महामंत्र के साथ हुआ। तत्पश्चात श्रद्धालुओं ने वैरागन सिद्धि जैन भूमि को तिलक कर संयम जीवन के आरंभ की अनुमोदना की। इस अवसर पर एसएस जैन सभा के प्रवक्ता श्रीपाल जैन ने बताया कि 5 नवंबर को पावन चातुर्मास संपन्न हो रहा है। इस अवसर पर एसएस जैन स्थानक में चातुर्मास संपन्न समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसमें सभी तपस्वियों सहित गणमान्यों को सम्मानित किया जाएगा। यह आयोजन समाज के लिए गर्व का विषय है, क्योंकि किसी भी साधक का संयम जीवन में प्रवेश समस्त समाज के लिए प्रेरणास्रोत होता है। भक्तिमय माहौल में सम्पन्न इस आयोजन में साधु-साध्वियों, श्रावक-श्राविकाओं एवं दूर-दूर से आए जैन समाज के लोगों ने भाग लेकर इस ऐतिहासिक क्षण को साक्षी बनाया।

छात्रों को इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के बारे में करवाया अवगत

अंबाला। अंबाला छावनी स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर 2 में शनिवार को विद्यार्थियों के लिए "साइबर सुरक्षा जागरूकता" पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर साइबर सैल प्रभारी फकीर चंद तथा साइबर एक्सपर्ट बबित मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।मुख्य अतिथियों ने विद्यार्थियों को इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग, साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया पर गोपनीयता की रक्षा, ऑनलाइन ठगी से सतर्कता तथा डिजिटल व्यवहार के नैतिक पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी।

■ साइबर सुरक्षा जागरूकता" पर विशेष व्याख्यान

विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे जिनका समाधान विशेषज्ञों ने सहज और उपयोगी ढंग से किया। विद्यालय के प्राचार्य हरिंद्र सिंह लांबा ने अपने संबोधन में कहा कि "इस डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अत्यंत आवश्यक विषय है। हमें तकनीक का उपयोग विवेकपूर्वक और जिम्मेदारी से करना चाहिए ताकि हम न केवल स्वयं सुरक्षित रहें बल्कि समाज में भी जागरूकता फैला सकें।" कार्यक्रम के अंत में उपप्राचार्य मनीष सेमवाल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि "यह सत्र विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध हुआ है। विद्यालय परिवार साइबर सेल अंबाला का आभारी है जिन्होंने विद्यार्थियों को व्यवहारिक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की स्नातकोत्तर शिक्षिका नूतन श्रीवास्तव द्वारा किया गया। अंत में विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा के नियमों का पालन करने और सुरक्षित डिजिटल नागरिक बनने की शपथ ली।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

सीक्रेट सुपरस्टार शो में 400 छात्रों ने दिखाया हुनर, प्रस्तुतियों से दर्शकों की लूटी वाहवाही, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र सम्मानित

बच्चों की ओर से प्रस्तुत की गई सभी प्रस्तुतियां एक से बढ़कर एक थी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला शहर के पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल के मिडिल विंग में अर्न्तसदनीय प्रतियोगिता को दर्शाता हुआ इंग्लिश शो "सीक्रेट सुपरस्टार" स्कूल ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इसमें चार सदन करेज ,ग्लोरी, स्ट्रेंथ व विजडम सदन के 400 विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ ई-लाइटनिंग और डीएव. गान की ध्वनि के साथ हुआ । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर डीएवी कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर डॉ. रमेश परमार पधारे थे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने कथन में कहा कि नैतिक मूल्य विद्यार्थियों के जीवन में विशेष महत्व रखते हैं , क्योंकि अनुशासन ,सहयोग,ईमानदारी, दया भाव वे नैतिक मूल्य हैं जो कि विद्यार्थी जीवन को सफल बनाने में अहम योगदान देते हैं । इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. विकास कोहली ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे बच्चे ही भावी देश के सुनागरिक हैं । उन्होंने कहा कि सामाजिक मूल्य एक आंतरिक गुण है प्रत्येक समाज में अपने कुछ आदर्श तथा लक्ष्य होते हैं। इन आदर्शों और लक्ष्यों को उसी दशा में पूरा किया जा सकता है जब आज के विद्यार्थी में कुछ निश्चित मापदंड निर्धारित किए जाएं। हमारा विद्यालय विद्यार्थियों में इन्हीं मापदंडों का समावेश करना सिखाता है। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय ,परिवारों और समाज को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना चाहिए, जहां बच्चे अपनी संस्कृति पर गर्व महसूस करें। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे बच्चों ने संचार कौशल पर बहुत ही अच्छे ढंग से प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया है।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया

बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई सभी प्रस्तुतियां एक से बढ़कर एक थी । ग्लोरी सदन के विद्यार्थियों ने मुख्य अतिथि के स्वागतार्थ हेतु स्वागत गीत प्रस्तुत किया। करेज सदन के विद्यार्थियों ने' "एजूकेशन इज दि मोस्ट पॉवरफुल वेपन" नामक नाटक प्रस्तुत किया। इसमें मुख्यतः करप्शन को दिखाया गया है कि एक अनपढ़ व्यक्ति कैसी-कैसी कठिनाइयों से जूझता है।अनपढ़ता की वजह से वह बहुत सारी समस्याओं से अवगत होता है। हार्मनी इमोशंस के अंतर्गत कैसे योगा के द्वारा मनुष्य आनंदित हो सकता है यह दिखाया गया। इस प्रस्तुति पर विद्यार्थियों का योगा बहुत ही प्रशंसनीय रहा। विद्यार्थियों ने 'नेचर्स क्लास रूम' पर लघु नाटक प्रस्तुत किया इसमें यह दिखाया कि प्रकृति हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऋतुओं का बदलना हमें धैर्य और समय के साथ चलना सिखाता है। पेड़, नदियां और धरती बिना किसी स्वार्थ के सबको निःस्वार्थ जीवन देती हैं। स्ट्रेंथ सदन के विद्यार्थियों इंडियन आर्मी फोर्स पर नृत्य प्रस्तुत किया। उन्होंने थल सेना ,जल सेना और पुलिस विभाग को आधार बनाते हुए अपनी प्रस्तुति दी। जिन्होंने उन वीर जवानों की याद दिलाई जो देश की रक्षा के लिए सीमाओं पर डटे रहते हैं और पुलिस दिन-रात जनता की सुरक्षा के लिए तत्पर रहती है। छठी प्रस्तुति में 'बैक टू रूटस' को आधार बनाकर एक नाटक प्रस्तुत किया।

नाटक प्रस्तुत किया: उन्होंने दिखाया कि आज की पीढ़ी तेजी से आधुनिक सोच और वैश्वीकरण के प्रभाव से आगे बढ़ रही है लेकिन इस प्रगति के साथ-साथ हमारी परंपराएं संस्कार और सांस्कृतिक जड़े धीरे-धीरे पीछे छूटती जा रही है। विजडम हाउस के विद्यार्थियों माइम के द्वारा यह दिखाया है कि पेड़ हमारे मित्र होते हैं। अमेजिंग सिविक सेंस' के द्वारा हमारे कर्तव्य और अधिकार क्या हैं। समाज के प्रति हमारा क्या उत्तरदायित्व है। इन सबको एक नाटक के रूप में प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 400 विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया।

कुछ शब्दों तक सिमटी किशोर-युवाओं की बातचीत

घर, ऑफिस, कॉलेज हो या कोई पार्टी जहां कहीं भी किशोर या युवा आपस में बातचीत करते हैं, तो अधिकतर अंग्रेजी के कुछ शब्दों तक ही सिमटे रहते हैं। मातृभाषा संस्कार और क्षेत्रीयता का सोंधापन उसमें से नदारद रहता है। नई तकनीकी का हस्तक्षेप, विदेशी जीवनशैली और आधुनिकता के अंधानुकरण जैसी कई वजहें इसके लिए जिम्मेदार हैं। इससे जुड़े तमाम पहलुओं पर एक नजर।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

एक जमाना था, जब संयुक्त परिवारों में रहने वाले बच्चे किशोरावस्था में ही ऐसे मुहावरे और कहावतें दोहराने लगते थे, जो आज के किशोरों के मुंह से सुनने को मिलें तो निश्चित रूप से आश्चर्य हो- जैसे कि 'नहले पे दहला' और 'सौ सुनार की एक लुहार की।' ये कहावतें या मुहावरे अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक किशोरों के मुंह से सुनना आश्चर्य की बात नहीं होती थी। लेकिन अगर आज की बात करें तो किशोरों के पास अंग्रेजी के कुछ गिने-चुने शब्द ही होते हैं, जिन्हें वे आपसी संवाद के दौरान अकसर दोहराते रहते हैं। मसलन- 'ओके, रियली, यू नो, वाव और ट्रस्ट मी।' जैसे बमुश्किल एक दर्जन अंग्रेजी के शब्द हैं, जो विशेषकर आज के शहरी बच्चे अकसर आपस में बातचीत के दौरान दोहराते रहते हैं।

मातृभाषा से बढ़ती दूरी: आज पूरे भारत में सभी क्षेत्रों की मातृभाषाओं पर यह संकट देखने को मिल रहा है। आज चाहे दक्षिण भारत हो या उत्तर, मध्य हो या पश्चिम। शहरी क्षेत्र में कहीं भी बच्चे खासकर किशोर और युवा अपनी मातृभाषा के मुहावरों, कहावतों और लोकोक्तियों के इस्तेमाल में जरा भी सहज नहीं दिखते हैं।

आजकल के किशोर और नौजवान बात-बात में 'ब्रो', 'दैट्स', 'लिट' और 'रियली यार' जैसे अंग्रेजी के शब्द तो बार-बार दोहराते हैं, लेकिन उनकी रोजमर्रा की जुबान में खांटी मातृभाषा के शब्द ढूंढ़े नहीं मिलते। वास्तव में हमारी नई पीढ़ी की वोकेबलरी किसी भाषायी विकास की नहीं बल्कि दिनों-दिन बढ़ रही सांस्कृतिक दूरी की कहानी कहती है और यह दूरी उस समय से बढ़नी शुरू हुई है, जब हम सदियों की अपनी गुलाम मानसिकता के मनोवैज्ञानिक दबाव में अपनी मातृभाषा को अंग्रेजी के सामने दरिद्र मान लेते हैं और इसी भावना के चलते अपनी रोजमर्रा की बातचीत में टूटे-फूटे अंग्रेजी के शब्द बार-बार दोहराकर अपने को मॉडर्न दिखाने की कोशिश करते हैं।

मोबाइल की लत का असर: आजकल घरों में मां-बाप के साथ बोली जाने वाली मातृभाषा को किशोर और युवा आपस में बोलना ओल्ड फैशन समझते हैं। इसलिए वे हर जगह अंग्रेजी के कुछ शब्दों से काम चलाते रहते हैं। सोशल मीडिया ने विशेषकर मोबाइल की लत लगने के बाद इस आदत को और पक्का बना दिया है। वास्तव में सोशल मीडिया का कुछ वैश्विक प्रभाव नई पीढ़ी पर इस कदर पड़ा है कि अंग्रेजी के शब्द अपनी रोजमर्रा की बातचीत में बोलना ग्लैमर लगने लगा है। जबकि हम सब जानते हैं कि ये बहुतायत में इस्तेमाल हो रहे अंग्रेजी के टूटे-फूटे शब्द अपनी अभिव्यक्ति में किसी तरह की भावना नहीं जगाते बल्कि बस स्टाइल बनकर रह गए हैं।

भावनात्मक गहराई से बढ़ी दूरी: अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक बातचीत में इस्तेमाल होने वाली कोई एक कहावत या कोई एक देसी मुहावरा हमारे दुखी और परेशान मन की सारी कहानी कह देता था। लेकिन आज बस 'मूड ऑफ' कह देने भर से काम चल जाता है। वास्तव में यह चेतावनी है कि अगर हम जल्दी चेते नहीं, तो हमारी मजबूत अभिव्यक्ति के देसी शब्द खो जाएंगे, तब हमें कहना ही नहीं, किसी के कहे हुए को समझना भी आसान नहीं होगा। आज सिर्फ कॉलेज, सोशल मीडिया में ही नहीं, दफ्तरों में भी लोगों के बीच अकसर अंगुलियों में गिने जाने वाले कुछ शब्दों से पूरी बातचीत कर लेने की कोशिश देखी जाती है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि चाहे सोशल मीडिया हो, चाहे लोगों के बीच निजी संवाद हो या सार्वजनिक बतकही ही क्यों न हो? बस थोड़े से ही शब्द हमारे इर्द-गिर्द गूंजते रहते हैं। आजकल बातचीत में जरा भी ठहराव या भावनाओं की गहराई देखने को नहीं मिलती। 'टू द प्वाइंट' कहकर लोग तेजी से सतहीपन को सही ठहराने की कोशिश करते रहते हैं।

एक जमाना था, जब लोग आपस में बातचीत में रुचि लेते थे, लेकिन आज तो बस 'रिप्लाई' करते हैं। वास्तव में यह फर्क भाषा के विकास का नहीं, मातृभाषा से बढ़ी हुई दूरी का परिचायक है। आज के किशोरों और हाल में जवान हुए कितने युवाओं के मुंह से आपने 'घर की मुर्गी दाल बराबर' या 'नाच न आवे आंगन टेढ़ा' जैसे मुहावरे-लोकोक्तियां सुनी हैं? जबकि एक-डेढ़ दशक पहले युवाओं के बीच इस तरह के मुहावरे बातचीत का हिस्सा होते थे। ये शब्द या ये मुहावरे, खालिस बातचीत नहीं होते, ये हमारे बाप-दादाओं की संस्कृति को हम तक पहुंचने का जरिया होते हैं, जो अब लगातार खत्म हो रहे हैं। आज के युवा और किशोर अगर ये शब्द, शब्दावलियां, मुहावरे तथा कहावतों से दूर हैं, तो यह दूरी यहीं तक सीमित नहीं है। इनकी यह दूरी लगातार अपनी विरासत, संस्कृति और मातृभाषा से भी हो रही है। आज की पीढ़ी 'टेकन फॉर ग्रांटेड', 'कर्मा हिट्स बैक' या 'दैट्स हाउ इट वर्क्स' जैसे विदेशी वाक्य दोहराती है, जो कि निरा कोरे शब्द होते हैं। इनमें जरा भी भावनात्मक गहराई देखने को नहीं मिलती।

शॉर्टकट्स-इमोजी का बढ़ा ट्रेंड: वास्तव में मोबाइल और इंटरनेट ने संवाद को 'फास्ट फूड' में बदल दिया है। जल्दी लिखो, जल्दी भेजो, जल्दी भूलो, यही सब देखने को मिल रहा है। अब लोग 'थैंक यू' भी पूरा नहीं लिखते बल्कि 'टीएचएक्स' लिखकर काम चलना चाहते हैं। 'क्या हाल है' की जगह अब नई पीढ़ी सिर्फ 'एसयूपी' लिखकर अपने को कूल समझती है। वास्तव में नई पीढ़ी अब इस कदर शॉर्टकट की भाषा बोल रही है कि वह अपनी आधी से ज्यादा अभिव्यक्तियों को इमोजियों के हवाले कर देती है और उनके विचार तो बस स्टेटस अपडेट तक सीमित होकर रह गए हैं। यही वजह है कि आज युवा पीढ़ी में भाषा का अभ्यास और शब्दों की संवेदना दोनो का ही घोर अभाव दिखता है।

हमारे युवाओं और किशोरों की यह नई शब्दावली, परिवार और लोक-संस्कृति के छीजने का भी परिणाम है। इसलिए हमें बहुत जल्दी सचेत हो जाना चाहिए और यह दोहरा लेना चाहिए कि भाषा का पतन शब्दों का पतन नहीं, विचारों का पतन होता है। इसलिए जितना जल्दी हो, हमें अपनी संस्कृति और सभ्यता को अगर जीवंत बनाए रखना है, तो अपनी मातृभाषा को समृद्ध बनाना होगा, सिर्फ पढ़ने के मामले में ही नहीं बल्कि रोजमर्रा के संवाद में भी। *

आधुनिक जीवनशैली की आपा-धापी और आर्थिक संसाधन जुटाने की जद्दोजहद में अधिकांश युवा, अपने पैरेंट्स से दूर रहने को मजबूर रहते हैं, उनकी केयर नहीं कर पाते हैं। उनको भी इस बात का मलाल होता है। ऐसे में समझदारी इसी में है कि एक संतुलन बनाते हुए अपने बुजुर्ग पैरेंट्स की देखभाल की जाए।

जीवन की सांझ में पैरेंट्स महसूस ना करें अकेलापन

दायित्व / डॉ. मोनिका शर्मा

हाल ही में दिल्ली के एक युवक की इमोशनल पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई। इस पोस्ट में लिखा गया था कि वह देर रात 3:30 बजे अस्पताल के बाहर अपनी कार में बैठा है और लगभग 36 घंटे से सोया नहीं है। उसके पिता को दिल का दौरा पड़ा है। वह हालात को संभालने की कोशिश कर रहा है। उसे यह भी अफसोस है कि वह नौकरी के कारण परिवार से दूर हो गया है। अपने माता-पिता के साथ समय नहीं बिता पाया। माता-पिता को वक्त नहीं दे पाया। एक बेटा होने में असफल रहा। युवक ने पिता को हार्ट अटैक आने के बाद दुखी मन से बाद खुद को 'नाकाम बेटा' बताया। असल में बीमारी से जूझते पिता को देख लिखी गई भावुक बातों वाली यह पोस्ट कितने ही युवाओं के लिए थोड़ा ठहरकर सोचने की बात लिए है। ये शब्द अपनों के साथ वक्त बिताने की अहमियत समझाते हैं। समय रहते अपने माता-पिता को समय देने की एक मानवीय चेतावनी सी लिए हैं।

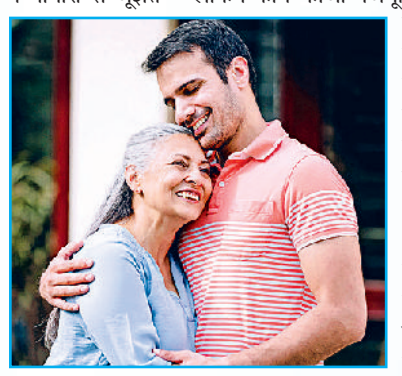

बढ़ने लगती हैं कई चिंताएं: बच्चों की जिंदगी संवारने के लिए अपना जीवन जीना भूल जाने वाले पैरेंट्स थके शरीर और टूटते मन के इस दौर में उनका इंतजार करते रहते हैं। अकेलेपन के घेरे में आ जाते हैं। जाने कब क्या हो जाए का तनाव और सेफ्टी से जुड़ी चिंताएं उन्हें हर पल परेशान करती हैं। सेहत से जुड़ी परेशानी में बिल्कुल ही टूट जाते हैं। उलझाती मनःस्थिति वाली ऐसी बातों के चलते हालिया वर्षों में बुजुर्गों में सुसाइड का आंकड़ा भी बढ़ा है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों के मुताबिक वृद्धावस्था में अकेलापन, बुजुर्गों की समय से पहले जान जाने का अहम कारण है। एक निश्चित उम्र के बाद इमोशनल और फिजिकल रूप से अकेलेपन को झेलना इंसान के लिए तकलीफदेह होता है। उम्रदराज लोगों के मामले में तो यह बहुत बड़ी समस्या बन गई है।

अपराधबोध तले दबता मन: यह सच है कि आज के समय में करियर बनाने और जरूरतें जुटाने में लगे युवाओं की मुश्किलें भी कम नहीं हैं। आज के कट थ्रॉट कॉम्पिटीशन में डटे रहना कुछ भी सोचने का समय नहीं देता। अपनों को भी याद करने का वक्त नहीं मिलता। इन हालातों में मन अपराधबोध का भी शिकार बनता है। नेशनल अलायंस फॉर केयर गिविंग और एएआरपी की रिपोर्ट के मुताबिक 47 प्रतिशत लोग अपने माता-पिता की चिंता में भावनात्मक रूप से टूटने लगते हैं। बड़ों के अकेले पड़ जाने की पीड़ा को बच्चों का मन भी समझता है। लेकिन काम-काजी मजबूरियों के कारण पैरेंट्स से दूर रहने वाले लोग भी जानते हैं कि उनके माता-पिता को उनकी देखभाल की जरूरत है। ऐसे में ठहराव की राह खुद ही चुननी होगी। आपा-धापी में अपने अहसासों को बचाने के लिए युवाओं को एक संतुलन तो साधना होगा।

देर ना हो जाए: अपने बुजुर्ग पैरेंट्स से जुड़े रहने के मोर्चे पर समय की टिक-टिक को सुनना भी जरूरी है। वक्त निकल जाने के बाद कुछ नहीं किया जा सकता। जिंदगी भर के लिए एक कसक मन में रह जाती है। देखा जाए तो यह एक रिश्ते को निभाने की बात भर नहीं। उम्रदराज माता-पिता की देखभाल एक मानवीय जिम्मेदारी भी है। सो दूर बैठे केवल महंगे मोल वाली चीजें भेजकर मन को तसल्ली देने के रास्ते ना निकालें। ना भूलें, जीवन की सांझ में अपने बच्चों के इमोशनल सपोर्ट की बुजुर्ग अभिभावकों को सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इसलिए जितना अधिक संभव हो, उनके साथ वक्त गुजारें, उनका ध्यान रखें। *

अपनी बात और भावनाएं दूसरों तक पहुंचाने के लिए शब्दों की जरूरत पड़ती है। लेकिन शब्दों से भी गहन अभिव्यक्ति मौन की होती है। मौन से हमें अंतस की भी सहज अनुभूति हो जाती है।

आत्मानुभूति का द्वार मौन

आत्मचिंतन / रश्मि वैभव गर्ग

अभिव्यक्ति का सहज माध्यम हैं- शब्द। लेखन हो या जीवन शब्दों से ही अभिव्यक्त होता है। शब्दों की यात्रा ही, जीवन को गतिशील बनाए रखती है। शब्द न होते तो हम मौन को भी परिभाषित नहीं कर पाते। शब्दों की ध्वनि ही जीवन को गुंजायमान रखती है। शब्दों का अर्थ के साथ, लहजा भी हमारे भावों को दर्शाता है। वास्तव में अभिव्यक्ति के दो ही माध्यम हैं। एक तो शब्द, दूसरा भाव। शब्दों का संसार तो विस्तृत है ही, लेकिन शब्दों से परे भी एक दुनिया होती है, वो है मौन। मौन, वो भी व्यक्त कर देता है, जो शब्द भी व्यक्त नहीं कर पाते हैं।

अव्यक्त को करता है व्यक्त: मौन एक साधना है। इसके विविध रूप हैं। मौन कभी शब्दों का विराम है तो कभी भावों की गहन अभिव्यक्ति है। कभी मौन रोष अभिव्यक्त करता है, तो कभी अगाध प्रेम की अभिव्यक्ति। मौन कभी शब्दों की विवशता भी प्रकट करता है। कभी-कभी शब्द हमारी अनुभूति को व्यक्त ही नहीं कर पाते, उसे मौन व्यक्त कर देता है। शब्द, भावों की गूंज है तो मौन भावों की मूक अभिव्यक्ति है। किसी ने क्या खूब कहा है कि स्पीच इज सिल्वर, साइलेंस इज गोल्ड। सचमुच बोलना चांदी के समान है तो चुप रहना स्वर्ण के तुल्य। कभी ऐसा भी होता कि हम कुछ बोलना चाहते हैं, लेकिन किसी कारणवश बोल नहीं पाते हैं, फिर सोचते हैं कि न बोलना ही श्रेयष्कर रहा।

आत्मसंयम का परिचायक: मौन, अभिव्यक्ति का श्रेष्ठतम माध्यम है। बशर्ते कोई समझने वाला हो। सामाजिक जीवन में संवादरहित अभिव्यक्ति एक गहरा प्रभाव छोड़ती है। चुप रहना भी एक विजय है। अपने शब्दों को विराम देना एक आत्मसंयम है। इस आत्मसंयम को आत्मसात करना हमारी जीत है। बाहरी मौन का संयम रखते हुए, आंतरिक मौन साधना को पाना जीवन दर्शन है। बाहरी मौन जीवन का आनंद है, आंतरिक मौन आत्मा का आनंद है। शब्दों का मौन लौकिक रंग है, आंतरिक मौन, आलौकिक रंग है। आंतरिक मौन यानी सब इच्छाओं की समाप्ति। जो अत्यंत दुष्कर है, लेकिन दुरूह नहीं। आंतरिक मौन जीवन को पूर्ण कर देता है। उतना ही पूर्ण जितना ईश्वर। तृष्णाओं की समाप्ति ही ईश्वर से मिलने का द्वार खोलती है। स्वयं से साक्षात्कार ही ईश्वर से मिलना है, वो तब ही संभव है, जब हम बाहरी व्यक्ति और वस्तुओं को विराम दें, और आंतरिक मौन को धारण करें।

मिलता है आलौकिक आनंद: हर इंसान के अंदर आध्यात्मिक अनुभूति होती है। जैसे पानी में कंकड़ फेंकते हैं तो लहर उठती है, वैसे ही हर आत्मा में अध्यात्म की चेतना होती है, क्योंकि चेतन का स्वभाव ही आत्मतत्व की खोज है। जिसका क्षणिक आभास हम जब-तब करते रहते हैं, लेकिन जब यह आत्मतत्व चिरस्थाई हो जाता है, तो असल आनंद प्राप्त होता है। बाहरी क्रियाएं विचलित करती हैं। आंतरिक मौन, लोक में रहकर आलौकिक सुख प्रदान करता है। स्वयं से स्वयं को ढूंढ़ना ही आंतरिक मौन है। वही ईश्वर से साक्षात्कार है। आत्मा में ही परमात्मा का वास होता है। आंतरिक मौन सृष्टि का अनहद नाद है, जिसे सिर्फ महसूस किया जा सकता है।

संसार में रहकर संसार से विरक्ति सबसे कठिन कार्य है। आसक्तियां ही सांसारिक कार्यों को फलीभूत करवाती हैं। जीवन का द्वैत ही यही है कि यदि अध्यात्म को अपनाते हैं तो कर्तव्यों से विमुख हो जाते हैं और कर्तव्यों का निर्वाह, बिना आसक्तियों के होता ही नहीं। इसी झंझावात में जीवन-यापन हो जाता है। वास्तविकता यही है कि हम दो दुनिया में जीते हैं। बाहरी दुनिया जो कर्मशील दुनिया है, जहां हम अपना किरदार निभाने के लिए बाध्य हैं। वो हमें थोड़ी आसक्ति भी देती है। आसक्त होना लाजिमी भी है, क्योंकि वही हमें कर्मशील बनाता है। दूसरी दुनिया है आत्मा का आनंद, जिसे हम स्वयं के भीतर अनुभव कर सकते हैं। ये हमारी अपनी खोज है, अपनी पूंजी है। इसे हम ही प्राप्त कर सकते हैं और इसे कोई हमसे छीन भी नहीं सकता। बाहरी क्रियाकलापों का विराम ही आंतरिक मौन है। बाहर कितना ही शोर हो यदि आंतरिक शांति है तो आप हर जगह विजयी होंगे। कहने का सार यही है कि अपने जीवन की सांसारिक यात्रा के विभिन्न पड़ावों को पूरा करते हुए भी अंतिम ध्येय अंतस का मौन ही होना चाहिए। *

दोहे / घमंडीलाल अग्रवाल

सूनी-सी दहलीज

सूना घर का आंगना, सूनी-सी दहलीज।
भूख, गरीबी बो चुकी, घर गरीब के बीज।।
जैसे को तैसा मिले, हो हमलावर पस्त।
वह भी फिर आश्वस्त-सा, हम भी फिर आश्वस्त।।
बदल रही है जिंदगी, बदल रहा है दौर।
निसदिन नई चुनौतियां, हर पल करिए गौर।।
पांव कुल्हाड़ी मार ली, गए संभलना भूल।
गड्ढा आया सामने, काहे गिरे फिजूल।।
गीता, रामायण पढ़ी, बांचे वेद, कुरान।
हो न सका इंसान तो, एक अदद इंसान।।
भरी भीड़ में हम हुए, बहुत अकेले आज।
अपनेपन का बांधते, किसके सिर पर ताज।
यदि कुपात्र को धन दिया, धन होगा बेकार।
ज्यादा खाकर वस्तुएं, जैसे तन बीमार।।
वाटर एटीएम लगे, सूखे सारे कूप।
परिवर्तन का मोहरा, खड़ा बदलकर रूप।।
फिसला करती हाथ से, पाई कोई चीज।
होते हैं संसार में, ऐसे कुछ नाचीज।।
भले विवेकानंद हों, अथवा गौतम बुद्ध।
कर्तव्यों से ही लड़े, अधिकारों के युद्ध।।

छोटी कहानी
सविता गोयल

तृप्ति

जहां आर्थिक रूप से कमजोर बड़े बेटे कमल ने कैंसर से पीड़ित पिता के इलाज में कोई कसर नहीं छोड़ी, वहीं छोटे बेटे विमल ने अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़े रखा। पिता के देहांत के बाद उनकी तेरहवीं में विमल ने जैसा दिखावा चाहा, वह अपमानजनक था। एक मर्मस्पर्शी कथा।

यह क्या भैया! ना आपने सारे नाते-रिश्तेदारों को न्यौता दिया और ना ही भोज का आयोजन सही तरीके से किया। समाज में क्या इज्जत रह जाएगी हमारी! अरे पैसे कम पड़ रहे थे तो एक बार बोल दिया होता हमसे। मैं ही कुछ इंतजाम कर देता। पापा की तेरहवीं पर मेरे ससुरजी भी आने वाले हैं। वो क्या सोचेंगे, उनके दामाद ने अपने पिता की तेरहवीं भी ढंग से नहीं की। आप सबको तो पता ही है, वो कितने बड़े आदमी हैं। मेरी क्या इज्जत रह जाएगी उनके सामने?' कमल का छोटा भाई विमल अपनी ही रौब में बोलता जा रहा था।

मनोहरजी को गुजरे आज ग्यारह दिन हो गए थे। पिछले दो साल से वह बहुत पीड़ा में थे। कैंसर की बीमारी में एक-एक दिन सालों की तरह गुजर रहे थे। उनका बड़ा बेटा कमल और बहू मीना ने अपने पिता की सेवा और इलाज में अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ी। किराने की दुकान में कोई ज्यादा कमाई नहीं थी, लेकिन जितना बन पड़ा, उसमें उन्होंने कभी अपना हाथ पीछे नहीं खींचा।

कमल अपने माता-पिता के साथ ही रहता था। छोटा बेटा विमल जब से पढ़-लिखकर इंजीनियर बनकर शहर में बसा, कभी पलट कर वह घर नहीं आया। नौकरी अच्छी थी तो बड़े घर की लड़की का रिश्ता भी आ गया था। अब तो विमल के और भी पंख लग गए थे।

पिता की बीमारी का पता होने के बाद भी कभी उसने उनके इलाज और देखभाल में बड़े भाई का हाथ नहीं बंटाया। एक बार कांता देवी ने विमल से कहा भी, 'बेटा, कमल का हाथ थोड़ा तंग रहता है, ऊपर से तेरे पिताजी की बीमारी पर बहुत पैसा खर्च हो रहा है। तुम थोड़ी मदद कर दोगे तो उसे थोड़ी राहत मिलेगी।'

इस पर विमल का जवाब था, 'मां, आपको क्या पता, मेरी कमाई से ज्यादा तो मेरा खर्च है। आप लोग तो यहां पुश्तैनी मकान में रहते हैं, लेकिन मुझे तो हर महीने फ्लैट का किराया भी देना पड़ता है। आगे मेरा परिवार भी बढ़ रहा है तो खर्चे भी बढ़ रहे हैं फिर इस बीमारी का क्या पता ठीक हो ना हो! बेकार में लुटने-पिटने से क्या फायदा?'

बेटे के मुंह से ऐसा सुनकर कांताजी ने कभी दोबारा उसे किसी प्रकार की मदद के लिए नहीं कहा। मनोहरजी बच तो नहीं पाए, लेकिन अपने बड़े बेटे-बहू के सेवाभाव को देखकर उनके हृदय में हमेशा उनके लिए आशीर्वाद के भाव रहते। कांता देवी पति की मृत्यु से आहत थीं, ऊपर से आज मनोहरजी की तेरहवीं पर आए विमल के मुंह से ये सब सुनकर उन्हें बहुत बुरा लग रहा था। अपने बड़े बेटे को असमंजस में देख उन्होंने समझाया, 'कमल, तुझे किसी की बातों में आकर अपनी हैसियत से बाहर कुछ करने की जरूरत नहीं है। तूने अपने पिता के जीते जी उनकी जो जी-जान से सेवा की है, वो उसी से तृप्त हो गए हैं। ये ऊपरी दिखावा और कर्मकांड उनके लिए अब कोई मायने नहीं रखता। तू जितना कर रहा है, वह बहुत है। तेरे पिताजी की आत्मा तो तेरी सेवा से ही तृप्त हो गई है बेटा। बस पांच ब्राह्मणों को भोजन करा दे और अपने पिता का तर्पण कर दे।' फिर कांता देवी अपने छोटे बेटे विमल के मुखातिब होते हुए बोलीं, 'आज तुझे यहां सारे कामों में जो कमी नजर आ रही है, वह उस समय क्यों नजर नहीं आई, जब तेरे पिताजी बीमारी से तड़प रहे थे और तेरा यह भाई तंगी से जूझते हुए भी रोज उन्हें लेकर अस्पताल के चक्कर लगा रहा था। उसे अपने दिन का चैन और रातों की नींद की भी परवाह नहीं थी। उस समय तो तेरे मुंह से एक बार भी नहीं निकला कि भैया, पिताजी के इलाज में मैं कुछ मदद कर दूं। उस वक्त तुझे यहां कोई कमी नजर नहीं आई? बेटा तू अपने पैसे अपने पास रख, पता नहीं कब तुझे इनकी जरूरत पड़ जाए। मां हूं, इसलिए कभी अपने दिल और जुबान से तेरा बुरा नहीं सोचूंगी, लेकिन बेटा जब तेरे बच्चे अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ेंगे तब तुझे अपने मां-बाप का दर्द समझ में आएगा।'

यह सुनकर विमल का सिर झुक गया। उसे अपनी मां और भाई से नजरें मिलाने की हिम्मत भी नहीं हो रही थी। कमल ने अपने सामर्थ्य अनुसार अपने पिता का तर्पण और भोज कराया।

कांता देवी के चेहरे पर आज संतुष्टि के भाव थे। उन्हें विश्वास था कि उनके पति तृप्त होकर इस दुनिया से विदा हुए हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

देश की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी

आजादी के बाद देश के विकास और इसे सशक्त बनाने में भारत के सभी प्रधानमंत्रियों की भूमिका रही है। इसी क्रम में वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब तक के अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण और अभूतपूर्व कार्य किए हैं और इस दिशा में निरंतर प्रयासरत भी हैं। फिर वो चाहे विश्व में भारतवर्ष की प्रतिष्ठा बढ़ाने की बात हो, कश्मीर से धारा 370 हटाने का ऐतिहासिक कदम हो, कोरोना काल का मजबूती से सामना करना रहा हो, महिलाओं और गरीबों के सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयास हों या आतंकी गतिविधियों का मुंहतोड़ जवाब देना हो। इस पुस्तक में उनके ऐसे तमाम प्रयासों की विस्तार से चर्चा की गई है। इसमें लेखक ने नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व के कई पहलुओं को भी उजागर किया है। *

पुस्तक: भारतवर्ष की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी,
लेखक: प्रोफेसर (डॉक्टर) रमेश चंद्र तोमर,
मूल्य: 600 रुपए, **प्रकाशक:** प्रभात प्रकाशन,
आसफ अली रोड, नई दिल्ली

इंडियन पैसिफिक एक्सप्रेस

जैसा कि नाम से ही जाहिर है, यह ट्रेन आपको दुनिया की सबसे यादगार ट्रेन यात्रा के रूप में दो महासागरों को पार करवाती है। सिडनी से पर्थ तक का 4352 किमी. लंबा यह रेल मार्ग आपको अनूठे लोक की यात्रा का अनुभव देता है। विशाल ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप को पार करते हुए आप यहां के दिलकश नजारे देखेंगे तो मानो हिप्नोटाइज हो जाएंगे। कई जगह तो आपको वन्य जीवन की झांकी भी देखने को मिलेगी। इस ट्रेन में यात्रियों के लिए कई क्लास के कोच हैं, जैसे गोल्ड सर्विस के तहत स्लीपर केबिन। आर रेड सर्विस के तहत डे नाइटर सीट। स्लीपर केबिन में आप तमाम सुविधाओं से सुसज्जित सिंगल या ट्विन स्लीपर केबिन ले सकते हैं और स्वादिष्ट ऑस्ट्रेलियन भोजन का लुत्फ उठा सकते हैं। जबकि आर रेड सर्विस के तहत डेनाइटर सीट दी जाएगी, जिस पर सोने की सुविधा भले ही न हो पर आपको आरामदायक तरीके से बैठने की सुविधा जरूर मिलती है। यहां पर्याप्त लेगस्पेस है, कोहनी टिकाने के लिए आरामदायक हत्थे हैं, वीडियो देखने की सुविधा है। इन डिब्बों में भी स्नैक्स, कॉफी, लंच, डिनर सब कुछ उपलब्ध कराया जाता है। k

रोचक
शिखर चंद जैन

रेल यात्राएं तो आपने भी जरूर की होंगी। लेकिन देश-दुनिया में कुछ रेलगाड़ियां ऐसी हैं, जो हजारों किलोमीटर की यात्रा करती हैं। दुनिया की सबसे लंबी दूरियां तय करने वाली इन रेलगाड़ियों से यात्रा का अनुभव बेहद अनोखा और मजेदार होता है। इनमें से कुछ लंबी रेल यात्राओं पर एक नजर।

सबसे लंबी दूरी तय करने वाली अनोखी-शानदार रेल गाड़ियां

ट्रांस-साइबेरियन एक्सप्रेस

दुनिया की सबसे लंबी दूरी तय करने वाली यात्री ट्रेन है, ट्रांस साइबेरियन एक्सप्रेस। मॉस्को से व्लाडीवोस्टक तक फैली 9288 किमी. की पटरियों पर सरपट दौड़ती यह ट्रेन आपको वाकई एक यादगार यात्रा का अनुभव देती है। 77 किमी. प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ने वाली इस ट्रेन में बिताए करीब 146 घंटे (करीब 6 दिन) आप शायद ही अपनी जिंदगी में कभी भुला पाएं, क्योंकि इन 6 दिनों में आप कभी पहाड़ों के बीच से गुजरेंगे, तो कभी हरी घास से भरे मैदानों से, कभी यह ट्रेन आपको रेगिस्तान के दृश्य दिखाएगी, तो कभी हरे भरे बियाबान जंगल के बीच से ले जाएगी। k

झिंगू हाइ स्पीड रेल

आज की तारीख में अगर लंबी दूरी तय करने वाली सबसे तीव्र गति वाली यात्री रेगलाड़ी का जिक्र होता है, तो उनमें झिंगू हाइ स्पीड रेल सबसे ऊपर है। यह ट्रेन बीजिंग से शंघाई की 1303 किमी. की यात्रा मात्र 5 घंटे में तय कर लेती है। इसकी गति 300 किमी. प्रतिघंटे तक हो सकती है। k

भारत की सबसे लंबी रेल यात्रा

भारत की सबसे लंबी रेल यात्रा विवेक एक्सप्रेस तय करती है। यह 9 राज्यों से होकर गुजरती है। यह असम के डिब्रूगढ़ से तमिलनाडु के प्रसिद्ध स्थल कन्याकुमारी तक चलती है। यह रेलमार्ग लगभग 4,273 किलोमीटर लंबा है। इस सफर को तय करने में लगभग 80 घंटे लगते हैं। इस ट्रेन का नाम स्वामी विवेकानंद के नाम पर रखा गया है। अपने इस सफर में यह ट्रेन लगभग 55 स्टेशनों पर रुकती है। k

द ब्लू ट्रेन

दक्षिण अफ्रीका की मशहूर ब्लू ट्रेन प्रीटोरिया से केपटाउन के बीच 1600 किमी. की यात्रा तय करती है। सच कहें, तो यह ट्रेन पटरी पर दौड़ने वाले किसी होटल की मानिंद है। इसमें कई सूट्स भी हैं, जहां होटल जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। यात्रा बहुत लंबी नहीं है। करीब 27 घंटे की इस यात्रा के दौरान अफ्रीका के तस्वीर सरीखे कुदरती दृश्य आपका मन मोह लेंगे। इस ट्रेन की गति कोई खास नहीं, मात्र 57 किमी. प्रति घंटे है, क्योंकि इसे होटल रूम सरीखे डिब्बों को जरा नजाकत से ही चलाना पड़ता है और यात्रियों की सुख-सुविधा का खयाल भी रखना पड़ता है। k

द कनाडियन ट्रेन

टोरंटो से वैंकुवर की यात्रा करवाने वाली यह ट्रेन जर्नी आपको 83 घंटे तक सैर कराती है। इस दौरान यह ट्रेन आपको कनाडा के विभिन्न मनोहर दृश्यों से भरी 4466 किमी. दूरी का अवलोकन करवाती है। ट्रेन की गति पहाड़ों की चढ़ाई में कभी मंद पड़ जाती है, तो हरे-भरे चित्ताकर्षक जंगलों से गुजरने के दौरान तेज भी हो जाती है। इस ट्रेन में कांच से बनी बड़ी-बड़ी खिड़कियों से तरह-तरह के दृश्यों को देखना वाकई रिलैक्सिंग और पीसफुल एक्सपीरियंस देता है। k

चाइना यूरोप ब्लॉक ट्रेन

द चाइना यूरोप ब्लॉक ट्रेन, दुनिया की सबसे लंबी दूरी तय करने वाली ट्रेन है। यह यीबू से मैड्रिड तक की 9977 किमी. की यात्रा करीब 21 दिनों में तय करती है। लेकिन यह कोई यात्री ट्रेन नहीं बल्कि मालगाड़ी है। k

अमल करने से ही बनेगी बात

स्मार्टफोन के स्क्रीन से हर पल प्रेरणादायक विचारों की बौछार होती रहती है। लोग इसमें रुचि भी खूब लेते हैं। लेकिन अगर आप स्वयं में सकारात्मक बदलाव देखना चाहते हैं तो सिर्फ मोटिवेशनल कंटेंट देखना नहीं, उस पर अमल भी करना होगा।

सेल्फ मोटिवेशन / चैतन्या

इन दिनों सोशल मीडिया पर भी मोटिवेशनल वीडियो की भरमार है। ज्ञान फैलाने के लिए बाकायदा एप्स बने हुए हैं। मन-मस्तिष्क को मोटिवेशन देने वाले शब्द लिखित हों या मौखिक, किसी ना किसी रूप में हर पल सामने आते रहते हैं। जीवन को साधने वाले इस कंटेंट को यूजर्स द्वारा खूब देखा-सुना भी जाता है। बावजूद इसके व्यावहारिक धरातल पर जनमानस में इसका असर नहीं दिखता। आंतरिक या बाहरी शक्ति जगाने को सुने गए विचार आत्मसात नहीं किए जा रहे हैं। इनसे प्रेरणा पाकर जन-जीवन में बदलाव लाने के भावों को बल नहीं मिल रहा।

ज्ञान को जीवन में उतारना: भगवान दत्तात्रेय ने सिखाया है कि सच्चा ज्ञान कहीं से भी, कभी-भी प्राप्त किया जा सकता है, बस व्यक्ति की दृष्टि पवित्र और समझदार होनी चाहिए। उन्होंने स्वयं भी प्रकृति के तत्वों, पशुओं और विभिन्न व्यक्तियों, गुरुओं के रूप में ज्ञान प्राप्त किया। पृथ्वी से सहनशीलता, वायु से अनासक्ति और बालक से खुशी का ज्ञान लिया। भगवान दत्तात्रेय का यह सिद्धांत यही बताता है कि ज्ञान का कोई तयशुदा स्रोत नहीं होता। जिज्ञासु और विवेकशील इंसान अपने परिवेश के कण-कण से कोई सीख ले सकता है। हर घटना, हर प्राणी और प्रकृति के हर तत्व से जीवन के गूढ़ रहस्यों को सीख सकता है। असल में यूं ही जीवन से जुड़े विभिन्न स्रोतों से ज्ञान लेना भी चाहिए। परीक्षा तो इन पढ़े, जाने, सुने गए पाठों को जीवन में उतारने के मोर्चे पर होती है। सोशल मीडिया में दिखते मोटिवेशनल कंटेंट को व्यक्ति स्क्रीन स्क्रॉल करते ही भुला देता है। इनमें वह गुरुत्व शक्ति नहीं होती, जो गुणीजनों के सान्निध्य में मिलती है। तभी तो आत्म जागरुकता लाने वाले उद्धरण भी जानकारी, सूचना या कोई समाचार भर बनकर रह जाते हैं।

गुणीजनों का जीवन ही प्रेरणा: हमारे यहां सदा से ही ज्ञानी-गुणीजन जीवन संवारने के उपदेश देते रहे हैं। संसार को दिशा देने वाला ग्रंथ गीता भी श्रीकृष्ण के उपदेश ही लिए है। विचारणीय यह है कि गुणीजनों के विचार ही नहीं उनका जीवन भी प्रेरणादायी रहा है। जिसके चलते आमजन में उनकी कही बातों को आत्मसात करने का भाव रहा। उनके दिखाए मार्ग पर चलने की प्रतिबद्धता रही। अच्छे विचारों को व्यक्तिगत ही नहीं, सामाजिक-पारिवारिक परिवेश में भी जिंदगी का हिस्सा बनाने का प्रयास रहा। इसकी वजह यह है कि गुरु बोलते भर नहीं, स्वयं अपनी जीवन पद्धति भी बदलते हैं। कहा भी जाता है कि सच्चा गुरु केवल ज्ञान या उपदेश देकर नहीं, बल्कि अपने आचरण और जीवनशैली से शिष्यों के जीवन को दिशा और प्रेरणा देते हैं। स्पष्ट है कि इसी के चलते सिद्ध पुरुषों के विचार ही जीवन में फलित होते हैं। सोशल मीडिया पर तैरते मोटिवेशनल आख्यानों में प्रेरणा देने की बातें भर हैं। इन बातों को कहने-समझाने वालों का अपना जीवन लोगों को प्रभावित करने वाला नहीं है। इतना ही नहीं शेयर कर आगे बढ़ाने की तकनीकी सहूलियत से हर कोई यह ज्ञान किसी दूसरे व्यक्ति तक तो पहुंचा रहा है पर अपने कर्मों में नहीं उतार रहा। बहुत से इंफ्लुएंसर तो प्रेरणादायी शब्दों को अपनी मार्केटिंग माध्यम बना चुके हैं। वहीं आत्म-विकास हो या आंतरिक शांति गुरुओं का जीवन ही सहज ढंग से व्यक्ति को नैतिक मार्गदर्शन देता है। जीवन को संवारने की सच्ची शिक्षा ही नहीं मिलती, उन उपदेशों से मन को साधने में भी मदद मिलती है।

मोटिवेशनल वीडियो देखने की वजह: जिंदगी में मौजूद किसी भी समस्या से पार पाने, अपने लक्ष्य तक जाने या मन को शांत सहज रखने के लिए मोटिवेशनल वीडियो खूब देखे जा रहे हैं। जबकि असल जीवन में प्रेरणादायी बातों से मनःस्थिति बदलने की प्रतिबद्धता नहीं दिखती। बावजूद इसके सोशल मीडिया प्रेरक सामग्री से अटा पड़ा है। असल में इसके पीछे आनंद के सिद्धांत और डोपामाइन हार्मोन को बढ़ाने की प्रणाली एक अहम कारण है। ऐसा कंटेंट देखने से व्यक्ति को त्वरित संतुष्टि और एक भावनात्मक सहारा मिलता है।

अमल करना सबसे जरूरी: निःसंदेह, जीवन से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने और लक्ष्यों को पाने के लिए आगे बढ़ने हेतु सही कार्य योजना जरूरी है। वर्चुअल स्क्रीन में झांकते रहने के बजाय वास्तविक जीवन में नियमित समय और ऊर्जा लगाकर ही अपने आप में बदलाव लाया जा सकता है। आध्यात्मिक उन्नति की जा सकती है। व्यक्तिगत जीवन के हर पक्ष पर संवर्धन किया जा सकता है। k

शर्ट-जैकेट्स, शर्ट और जैकेट का कॉम्बो होता है। इन दोनों की खूबियां मिलकर शर्ट-जैकेट्स बनाती हैं। इस सीजन में इनका ट्रेंड यंगस्टर्स में काफी बढ़ रहा है।

इन हल्की सर्दियों में युवाओं को भा रहीं शर्ट-जैकेट्स

फैशन ट्रेंड
प्रतिमा अरोड़ा

शर्ट-जैकेट्स या जिसे फैशन की भाषा में शैकेट्स भी कहा जाता है, इस साल की हल्की सर्दियों में युवाओं की पहली पसंद बनी हुई हैं। ना सिर्फ स्टाइल के कारण बल्कि इनके आरामदायक, वर्सेटिलिटी और मॉडर्न लुक की वजह से भी ऐसा हुआ है।

क्या होती है शर्ट जैकेट: शर्ट-जैकेट्स, दिखती तो शर्ट जैसी हैं, लेकिन इनका फैब्रिक मोटा होता है और ये हल्की सर्दियों में गर्माहट देकर जैकेट का भी काम करती हैं। इसलिए इन्हें शर्ट-जैकेट्स कहा जाता है। इन्हें पहनने के लिए जरूरी नहीं है कि मौसम बहुत ठंडा ही हो। अगर हल्की हवा चल रही हो तो भी इन्हें आराम से पहना जा सकता है।

इनकी खासियतें: शर्ट-जैकेट्स ट्विल, डेनिम, वूलेन फ्लैनल, कॉटन ब्लेंड या कॉर्डराय से बनती हैं। इनकी डिजाइन बेहद आकर्षक होती है, जिनमें आगे बटन, दो या चार पॉकेट और किसी में खड़ी तो कई में गिरी कॉलर होती हैं यानी दिखने में ये बिल्कुल शर्ट जैसी लगती हैं, लेकिन शर्ट के मुकाबले थोड़ी मोटी होती हैं। हालांकि इनका वजन कड़ाके की सर्दियों में पहनी जाने वाली जैकेट्स के मुकाबले काफी कम होता है। फिर भी ये शर्ट के मुकाबले वजनदार होती हैं। ट्रांजिशन वेदर यानी जब न तो ज्यादा सर्दी होती है और न ज्यादा गर्मी, कहने का मतलब पूरी तरह से बारिश के बाद की गर्माहट का मौसम गया नहीं होता और पूरी तरह से सर्दियां आई नहीं होतीं, इस दौरान इन्हें पहनना सबसे सही लगता है। क्योंकि ऐसे मौसम में जब हल्की ठंड पड़ रही हो, ये बिल्कुल परफेक्ट च्वॉइस होती हैं। इन्हें अंदर टी-शर्ट के रूप में भी पहना जा सकता है। कई बार खुले या बंद दोनों तरीकों से इन शर्ट-जैकेट्स को कैरी किया जा सकता है।

युवाओं को क्यों हैं इतनी पसंद: शर्ट-जैकेट्स युवाओं को बेहद पसंद आती हैं। वास्तव में इन दिनों कपड़ों में लेयरिंग ट्रेंड में है यानी, कई परतों में ड्रेस पहनकर अलग-अलग लुक बनाना। शर्ट-जैकेट्स इस लेयरिंग फिनोमिना की स्टार आइटम है। इसे आराम और स्टाइल के साझे कॉम्बिनेशन के रूप में भी देखा और जाना जाता है। यह न तो पूरी तरह से फॉर्मल है और न ही पूरी तरह से कैजुअल बल्कि इसके लिए जो शब्द ज्यादा प्रचलित है, वह है-स्मार्ट कैजुअल। इसलिए ये युवाओं को विशेष रूप से पसंद आती हैं, क्योंकि उनकी बॉडी में ये एक परफेक्ट बैलेंस बनाती हैं। लेकिन इसकी पॉपुलैरिटी की वजह सिर्फ यही नहीं है, इसे पॉपुलर बनाने में सोशल मीडिया का भी बड़ा हाथ है। वास्तव में इंस्टाग्राम, पिंट्रेस्ट और यू-ट्यूब पर फैशन इंफ्लुएंसर लगातार इन्हें प्रमोट कर रहे हैं, जिससे युवाओं में इनकी डिमांड काफी बढ़ गई है। सबसे बड़ी बात यह है कि ये शर्ट-जैकेट्स, युवक ही नहीं युवतियों के बीच भी खूब लोकप्रिय हैं, क्योंकि इन्हें दोनों ही बड़े आराम से पहन सकते हैं। ये दोनों की बॉडी पर खूब फबती हैं। शर्ट-जैकेट्स पहनने का एक फायदा यह भी है कि इसके कारण बहुत कम कपड़ों पर भी एक कंप्लीट आउटफिट तैयार हो जाता है। बस एक बेसिक टी-शर्ट, डेनिम और ये शर्ट जैकेट्स, बस समझिए पूरा आउटफिट तैयार हो गया।

इस साल है इसका ट्रेंड: इन दिनों यह फैशन या ट्रेंडिंग स्टाइल में इसलिए है, क्योंकि इस साल पुरुषों द्वारा डेनिम और फ्लैनल चेक्ड शर्ट-जैकेट्स को खासतौर पर पसंद किया जा रहा है। अपने नए लुक, स्मार्ट डिजाइन और कलर कॉम्बिनेशन के कारण ये यंगस्टर्स की पहली पसंद बनी हुई हैं तो लड़कियों में भी कुछ खास कलर्स की शर्ट-जैकेट्स इस साल खूब फैशन में हैं, जिनमें पेस्टल टोन कलर सबसे खास है। साथ ही लड़कियों में इनका ओवरसाइज्ड डिजाइन भी खूब हिट है। चूंकि यह एक यूनिसेक्स फैशन है, इसलिए शर्ट-जैकेट्स को खूब सारे न्यूट्रल कलर्स में भी देखा जाता है जैसे- बेज, ऑलिव, ब्लश पिंक और ग्रे।

कुल मिलाकर शर्ट-जैकेट्स इन दिनों युवाओं के बीच इसलिए भी खूब फैशन में हैं, क्योंकि ये सिर्फ एक ड्रेस भर नहीं हैं बल्कि लाइफस्टाइल का सिंबल बन गए हैं। कम लेयरिंग, ज्यादा स्टाइल और हर मौके पर फिट रहने वाली शर्ट-जैकेट्स आज यंगस्टर्स के बीच पहली पसंद बनी हुई हैं। जहां तक इसके स्टाइल कॉम्बिनेशन की बात है तो शर्ट-जैकेट्स में स्टाइलिश लुक के लिए इसे बेसिक टी-शर्ट या टर्टलनेक के ऊपर पहनते हैं। साथ ही लोअर में डेनिम, चिनो या स्कर्ट पर भी यह बहुत आसानी से मैच कर जाती है। स्कार्फ या कैप के साथ भी इसे कैरी करना अटपटा नहीं बल्कि आकर्षक लगता है। जहां तक फुटवियर्स की बात है तो स्नीकर्स या लोफर इसके साथ अच्छे लगते हैं। k

जिस दौर में कई सुपर स्टार्स बॉलीवुड में एक्टिव थे, उस समय में भी संजीव कुमार ने अपने एक्टिंग टैलेंट से अलग पहचान बनाई। संजीव कुमार की पुण्य तिथि 6 नवंबर पर उनके द्वारा निभाए कुछ यादगार किरदारों पर एक नजर।

हर रोल निभाने में परफेक्ट वर्सटाइल एक्टर संजीव कुमार

यादें
मनोज प्रकाश

सुपर स्टार का ग्लैमर, हिट कराने का तमगा और स्लिम-ट्रिम फिगर अगर किसी हीरो की इमेज को एक डेकोरम देता है, तो किसी भी भूमिका को परफेक्ट तरीके से करना भी किसी फिल्म को हिट कराने की गारंटी हो सकती है। यह बात सिद्ध की थी संजीव कुमार ने। वह एक ऐसे कलाकार थे, जिनके बारे में कहा जाता था कि वे कोई रोल निभाते नहीं, उसे पूरी तरह जीते थे। जिस तरह हिंदी फिल्म इंडस्ट्रीज में दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, राजेश खन्ना, देवानंद, राजकपूर को बेहतरीन अभिनेता माना जाता है, उसी श्रेणी में संजीव कुमार का नाम भी बड़े सम्मान से लिया जाता है।

'आंधी' में सुचित्रा सेन के साथ संजीव कुमार

हर तरह की भूमिकाएं निभाईं : 9 जुलाई 1938 को गुजरात प्रांत में जन्मे, संजीव कुमार ने जितनी भी फिल्में की सभी में उनके डायलॉग से अधिक उनकी आंखें और मुस्कुराहट ने अभिनय किया। संजीव कुमार हिंदी फिल्मों के ऐसे अभिनेता थे, जिन्होंने हर तरह की भूमिकाएं कीं। यहां तक कि उन्होंने एक ही फिल्म में एक साथ नौ भूमिकाएं निभाकर एक ऐसा कमाल किया, जो 'भूतो न भविष्यति' है। उनके किरदार ऐसे हुआ करते थे, जिन्हें भुला पाना संभव ही नहीं है। 'शोले' और 'आंधी' उनकी दो ऐसी फिल्में रहीं, जिनको भारतीय सिनेमा में मील का पत्थर माना जाता है।

'शोले' में ठाकुर का यादगार किरदार: 'शोले' में संजीव कुमार ने पहले जेलर और फिर ठाकुर बलदेव सिंह का रोल बखूबी निभाया। पूरे परिवार को डकैत गब्बर सिंह द्वारा खत्म कर दिए जाने और उनके दोनों हाथ काट दिए जाने के बाद भी ठाकुर बलदेव सिंह ने जिस तरह से अपना प्रतिशोध लिया, उसने आने वाली फिल्मों के लिए एक मानक बना दिया।

हर किरदार में अलग रंग: फिल्म 'आंधी' में संजीव कुमार के द्वारा निभाए गए होटल मैनेजर जेके का रोल आज भी दर्शक याद करते हैं। उस फिल्म में उन्होंने एक बेबस पति लेकिन समर्पित प्रेमी के रोल में अभिनय की पराकाष्ठा को छुआ था। जहां तक उनके अभिनय में मौजूद वर्सेटिलिटी की बात है तो 'खिलौना' में विजय, 'अनामिका' में देवेंद्र, 'सच्चाई' में किशोर, 'बचपन' में काशीराम, 'नमकीन' में गेरूलाल, 'राजा और रंक' में विजय और सुधीर, 'कोशिश' में हरिचरण, 'अंगूर' में अशोक और 'वक्त की दीवार' में विक्रम के किरदार ऐसे हैं, जिनसे उनकी प्रतिभा का लोहा सभी ने माना। 'उलझन' में उन्होंने सुलक्षणा पंडित के साथ एक ईमानदार अफसर और पति के रूप में फंसे व्यक्ति के द्वंद्व को बेहतरीन तरीके से निभाया। फिल्म 'नया दिन नई रात' में नौ किरदार निभाना और सभी को उसकी धारा में बहाते ले जाना, संजीव कुमार के बस की ही बात थी। उनसे पहले और उनके बाद आज तक किसी ने नौ रोल नहीं निभाए हैं।

ये भी रहे यादगार किरदार: संजीव कुमार को फिल्म 'दस्तक' के लिए हामिद का गंभीर किरदार निभाने हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया था। इसके उलट 'पति, पत्नी और वो' में तो उन्होंने हंसा-हंसाकर लोगों को लोटपोट कर दिया था। पत्नी की बीमारी की आड़ में सेकेट्री से प्रेम राग आलापना और पत्नी को समझाना, उस दौर में एक ऐसी कहावत बन गया था कि लोग रियल लाइफ में ऐसे किसी मामले में आपस में एक-दूसरे को कह देते थे-संजीव कुमार बन रहे हो? संजीव कुमार के द्वारा निभाए गए यादगार किरदारों में 'मौसम' के डॉक्टर अमरनाथ को कैसे भूला जा सकता है? इस फिल्म में उनका डबल रोल, शर्मिला टैगोर के रोल से किसी तरह से कमतर नहीं रहा। इसी तरह फिल्म 'त्रिशूल' तो अमिताभ की कही जाती है, लेकिन इसमें संजीव कुमार ने एक ऐसे व्यापारी का रोल प्ले किया, जो अंजाने में ही अपने बेटे से व्यापारिक संघर्ष कर रहा होता है और उसे पता ही नहीं चलता। इसमें पिता-पुत्र के संवाद, दो प्रतिद्वंद्वी व्यापारियों की उस लड़ाई का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसमें वे अपनी जीत के लिए किसी भी स्तर तक जा सकते हैं।

'त्रिशूल' में अमिताभ के पिता के किरदार में संजीव कुमार

उन पर फिल्माए गाने भी हुए हिट: संजीव कुमार पर फिल्माए गाने भी सुपरहिट रहे। 'अनोखी रात' का गीत 'ओह रे ताल मिले नदी के जल में, नदी मिले सागर में', 'खिलौना' का 'खिलौना जानकर तुम तो', 'सीता और गीता' का 'हवा के साथ-साथ, घटा के संग-संग', 'अनामिका' का 'मेरी भीगी-भीगी सी पलकों पे', 'आंधी' का 'तुम आ गए हो, नूर आ गया है', 'मौसम' का 'दिल ढूंढता है फिर वहीं फुर्सत के रात-दिन' और 'सिलसिला' का 'रंग बरसे', हर दौर के हिट गानों की श्रेणी में गिने जाते हैं।

अधूरी रही प्रेम की दास्तान: संजीव कुमार ने जिस तरह से फिल्मों में अपना परचम लहराया, उसी तरह से उनके प्रेम के चर्चे भी खूब सुने जाते रहे। हेमा मालिनी के साथ के किस्से तो सर्वाधिक चर्चित रहे ही हैं। सुलक्षणा पंडित के साथ भी उनकी जोड़ी चर्चित रही पर वह भी अपने मुकाम पर पहुंचने से रह गई। खुद के बारे में की गई अपनी ही भविष्यवाणी को सच साबित करते हुए जीवन के पचास बसंत पूर्ण करने से पहले ही 6 नवंबर 1985 को अनंत आकाश में हमेशा-हमेशा के लिए विलीन हो गए। k